राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार, 05 जुन 2022 वर्ष–5,अंक–130 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वोटिंग से पहले कांग्रेस विधायकों ने बढ़ाई पार्टी की धड़कनें, कहा- नहीं मिल रहा है उचित सम्मान

नई दिल्ली। राजस्थान और हरियाणा में राज्यसभा चुनाव को लेकर सस्पेंस शनिवार को भी जारी रहा। कांग्रेस पहले ही अपने विधायकों को पार्टी शासित राज्यों के दोनों शहरों उदयपुर और रायपुर में होटलों में भेज चुकी है। राजस्थान में विधायकों के एक वर्ग ने आरोप लगाया कि उन्हें वह सम्मान नहीं मिल रहा है जो उन्हें मिलना चाहिए। इसके बाद पार्टी में बेचैनी के संकेत दिखाई दिए हैं।

सैनिक कल्याण राज्य मंत्री राजेंद्र गुढ़ा उन विधायकों में से एक हैं, जिन्होंने बहुजन समाज पार्टी के प्रतीक पर 2018 का विधानसभा चुनाव जीता और 2019 में कांग्रेस में शामिल हो गए। गुढ़ा ने दावा किया कि अलग हुए समूह के साथ सम्मान के साथ व्यवहार नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा, विधायकों (जिनका कांग्रेस में विलय हो गया) को वह सम्मान नहीं मिल रहा जिसके वे हकदार हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सम्मान के बारे में बहुत कुछ बोलते हैं लेकिन बेहतर होता कि वह हमारे साथ बैठकर हमारी चिंताओं के बारे में बात करते।

राजस्थान में छोटी पार्टियों के विधायक बिगाडेंगे खेल?

गुढ़ा और चार अन्य विधायक अभी तक उदयपुर के उस लग्जरी होटल में नहीं पहुंचे हैं जहां हाल ही में पार्टी के अन्य विधायकों को शिफ्ट किया गया था। पार्टी ने हाल ही में इस होटल में अपना चिंतन शिविर आयोजित किया था। गुढ़ा ने यह भी कहा कि एआईसीसी महासचिव प्रभारी अजय माकन द्वारा अतीत में किए गए कुछ वादे पूरे नहीं किए गए हैं। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि केवल दो विधायक- बलवान पूनिया और गिरधारी लाल पार्टी के काम के कारण होटल में नहीं थे। उन्होंने कहा कि भारतीय ट्राइबल पार्टी (बीटीपी) के दो विधायकों- राजकुमार रोत और रामप्रसाद ने कुछ मुद्दे उठाए हैं, जिनका समाधान किया जा रहा है। वे जल्द ही होटल में बाकी के साथ शामिल होंगे।÷

राज्यसभा की 57 सीटों के लिए 10 जून को चुनाव

15 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैली संसद के ऊपरी सदन की 57 सीटों के लिए चुनाव 10 जून को होने हैं। इनमें से चार सीटें कांग्रेस शासित राजस्थान से हैं और दो हरियाणा से हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राजस्थान विधानसभा में प्रमुख विपक्षी दल है और हरियाणा में सत्तारूढ़ गठबंधन का नेतृत्व करती है। कांग्रेस ने राजस्थान में तीन उम्मीदवार मुकुल वासनिक, रणदीप सिंह सुरजेवाला और प्रमोद तिवारी को मैदान में उतारा है। भाजपा ने राज्य के पूर्व मंत्री घनश्याम तिवारी को अपना उम्मीदवार बनाया है और निर्दलीय सुभाष चंद्रा की उम्मीदवारी का समर्थन करने का फैसला किया है।

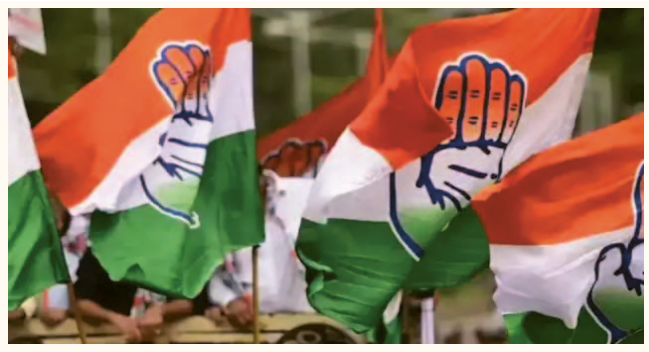

सैनिक कल्याण राज्य मंत्री राजेंद्र गुढ़ा उन विधायकों में से एक हैं, जिन्होंने बहुजन समाज पार्टी के प्रतीक पर 2018 का विधानसभा चुनाव जीता और 2019 में कांग्रेस में शामिल हो गए। गुढ़ा ने दावा किया कि अलग हुए समूह के साथ सम्मान के साथ व्यवहार नहीं किया जा रहा है।

तीसरी सीट जीतने के लिए कांग्रेस को 15 वोटों की कमी

सत्तारूढ़ कांग्रेस विधानसभा में 108 विधायकों के साथ खाली चार सीटों में से दो पर जीत हासिल करने के लिए तैयार है, जबकि भाजपा एक जीतने के लिए तैयार है। कांग्रेस के पास 26 सरप्लस वोट होंगे, लेकिन तीसरी सीट जीतने के लिए जरूरी 41 वोटों में से 15 कम होंगे। भाजपा के 71 विधायक हैं, अपनी सीट हासिल करने के बाद 30 शेष वोट बचेंगे। विधानसभा में 13 निर्दलीय हैं, जिनमें भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के पास दो सीटें हैं, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) तीन, भारतीय ट्राइबल पार्टी दो और राष्ट्रीय लोक दल के पास एक सीट है।

दो निर्दलीय विधायकों के समर्थन पर संदेह-यह स्पष्ट नहीं है कि दो निर्दलीय विधायक यादव व रमीला खरदिया और दो बीटीपी विधायक किसे समर्थन देंगे। हालांकि, बीटीपी एमएलए कांग्रेस के नेतृत्व वाली राजस्थान सरकार का समर्थन कर रहे हैं। घटनाक्रम से परिचित कांग्रेस पदाधिकारियों ने कहा कि निर्दलीय विधायक बलजीत यादव को छोड़कर अन्य सभी निर्दलीय लोग होटल पहुंच गए हैं। वहीं, कांग्रेस चुनावों में सीपीएम के समर्थन के प्रति भी आश्वस्त है। सीएम गहलोत ने विश्वास जताया है कि कांग्रेस निर्दलीय और मित्र दलों के समर्थन से आगे बढ़ेगी। विश्लेषकों का कहना है कि चंद्रा के नामांकन ने मुकाबला कड़ा बना दिया है।

हरियाणा में कांग्रेस को क्रॉस-वोटिंग का डर-हरियाणा में दो सीटों के लिए कांग्रेस ने एक उम्मीदवार अजय माकन को मैदान में उतारा है। भाजपा ने किशन लाल पंवार को खड़ा किया है और इसके अलावा व्यवसायी कार्तिकेय शर्मा को समर्थन दिया है। 90 सदस्यीय विधानसभा में एक उच्च सदन की सीट जीतने के लिए आवश्यक संख्या 30 है। कांग्रेस के पास 31 सदस्य हैं। भाजपा और सरकार में उसके सहयोगियों के पास 57 सदस्य हैं।

RSS प्रमुख ने देखी 'सम्राट पृथ्वीराज', बोले- अब हम इतिहास को भारत के दृष्टिकोण से देख रहे

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने सम्राट पृथ्वीराज फिल्म देखी। इस दौरान उनके साथ फिल्म के अभिनेता अक्षय कुमार भी मौजूद रहे। सम्राट पृथ्वीराज फिल्म देखने के बाद मोहन भागवत ने कहा कि अब हम इतिहास को भारत के दृष्टिकोण से देख रहे हैं। संघ प्रमुख ने अक्षय कुमार और मानुषी छिल्लर अभिनीत इस फिल्म को विश्व स्तरीय बताया। अपने बयान में भागवत ने कहा कि यह तथ्य-आधारित फिल्म है और यह सही संदेश देती है, जिसकी आज देश को आवश्यकता है। हम दूसरों के द्वारा लिखे गए अपने इतिहास को पढ़ते थे। अब हम इतिहास को भारत के नजरिए से देख रहे हैं। मोहन भागवत के साथ आरएसएस के अन्य वरिष्ठ सदस्य भी मौजूद रहे। फिल्म के निर्देशक चंद्रप्रकाश द्विवेदी संघ से जुड़े संस्कार भारती के साथ मिलकर काम करते हैं। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी मंत्रिमंडल के अन्य सदस्यों के साथ इस फिल्म के प्रीमियर को देखा था। इस फिल्म को देखने के बाद अमित शाह ने कहा था कि कई विषमताओं को पार करने के बाद, भारत का गौरव, संस्कृति और स्वाभाविक आस्था अब उस स्थान पर है जहां वह बहुत पहले थी जब उसने दुनिया को रास्ता दिखाया था। उन्होंने कहा था कि पृथ्वीराज चौहान का मोहम्मद गोरी के साथ युद्ध उस लंबे सफर का हिस्सा है जो सन् 1025 में शुरू हुआ था और 1947 में खत्म हुआ जब भारत स्वतंत्र राष्ट्र बना। वहीं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी इस फिल्म के प्रीमियर पर देखा था। फिल्म को देखने के तुरंत बाद उत्तर प्रदेश में इसे टैक्स फ्री कर दिया गया था। फिल्म की प्रशंसा करते हुए योगी ने कहा था कि मनोरंजन के साथ ही यह फिल्म इतिहास भी दिखाती है और इसे परिवार के साथ देखा जा सकता है।

देश में कोरोना वायरस के मामलों में आई कमी, शनिवार को मिले 3962 केस

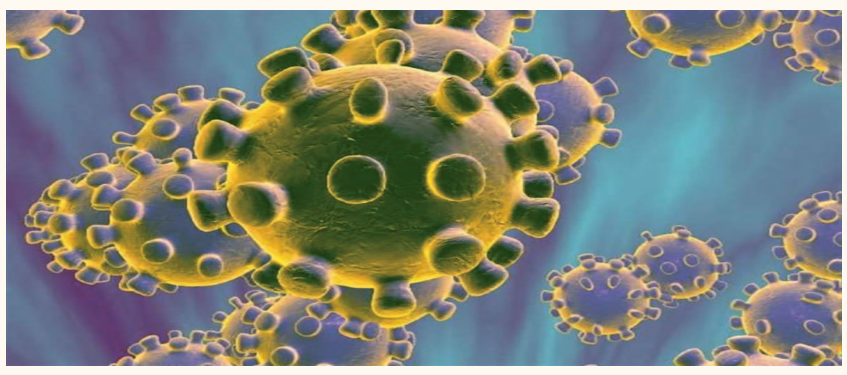

नई दिल्ली। भारत में कोरोना के मामले अब तेजी से बढ़ रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि बीते 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 3,962 मामले सामने आए हैं। शुक्रवार को चार स हजार से अधिक मामले दर्ज किये गए थे। कोरोना के मामले भले ही घटे हों, लेकिन मृतकों की संख्या में इजाफा हुआ है। बीते 24 घंटे में कोरोना से 26 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है।

22 हजार के पार हुए एक्टिव केस

कोरोना के मामलों के बढ़ने के साथ ही एक्टिव केस भी तेजी से बढ़ रहे हैं। देश में सक्रिय मामलों की संख्या अब 22,416 हो गई है। मंत्रालय ने बताया कि बीते 24 घंटे में कोरोना के 2,697 मरीज ठीक हुए हैं। अब तक कुल 4 करोड़ 26 लाख 25 हजार 454 लोग कोरोना को मात दे चुके हैं। वहीं, 5 लाख 24 हजार 677 लोगों की मौत हो चुकी है।

सेना के एनकाउंटर में मारा गया हिजबुल का एक आतंकी, 3 सैनिक भी घायल

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में रात भर हुई मुठभेड़ में हिजबुल मुजाहिद्दीन का एक आतंकी मारा गया। इस एनकाउंटर में तीन सैनिक और एक नागरिक के भी घायल होने की सूचना मिली है। कश्मीर जोन की पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी है। कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक विजय कुमार ने कहा, प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन का आतंकवादी कमांडर एचएम निसार खांडे मारा गया। मौके से एक एके 47 राइफल सहित आपत्तिजनक सामग्री, हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए हैं। ऑपरेशन अभी भी जारी है। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि मुठभेड़ शुक्रवार शाम अनंतनाग के रिशीपोरा इलाके में शुरू हुई। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों के साथ शुरुआती गोलीबारी में तीन सैनिक और एक नागरिक घायल हो गए। प्रवक्ता ने कहा, सभी घायलों को तुरंत इलाज के लिए श्रीनगर के 92 बेस अस्पताल ले जाया गया और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। आपको बता दें कि दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले में आतंकियों ने शुक्रवार को गैर-कश्मीरी मजदूरों को निशाना बनाया। अगलार जैनापुरा में आतंकियों ने मजदूरों पर ग्रेनेड से हमला किया। इसमें दो मजदूर घायल हो गए, जिन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने इस हमले को अंजाम देने वाले आतंकियों की तलाश शुरू कर दी है। बताया जाता है कि यह हमला राज्य से बाहर के लोगों को निशाना बनाकर किया गया। यह बीते 24 घंटे के अंदर गैर-कश्मीरियों पर तीसरा हमला है। इससे पहले बीते गुरुवार को आतंकियों ने कुलगाम जिले में ग्रामीण बैंक के मैनेजर की हत्या कर दी थी। इसके बाद देर रात बडगाम जिले में दो गैर-कश्मीरियों पर हमला किया गया था, जिसमें बिहार के दिलखुश की मौत हो गई थी। जबकि, पंजाब के गुरदासपुर निवासी गोरिया घायल हो गए थे।

संरक्षित वन क्षेत्र के एक किमी के दायरे में नहीं होगा निर्माण-खनन

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को अहम निर्देश में कहा कि राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्य में संरक्षित वन के सीमांकन रेखा से कम से कम एक किलोमीटर के दायरे में किसी भी प्रकार के निर्माण और खनन को मंजूरी नहीं दी जा सकती। जस्टिस एल नागेश्वर राव, जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एएस बोपन्ना की पीठ ने कहा कि राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों के अंदर पारिस्थितिकी संवेदनशील क्षेत्र (इको सेंसिटिव जोन) होना चाहिए। पीठ ने सभी राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों के मुख्य वन संरक्षक को ईएसजेड के भीतर मौजूद सभी निर्माणों की सूची तैयार करने और तीन माह के अंदर कोर्ट के समक्ष रिपोर्ट पेश करने को कहा है। पीठ ने कहा, इसके लिए अधिकारी सैटेलाइट से तस्वीरें प्राप्त करने या ड्रोन से फोटोग्राफी कराने के लिए सरकारी एजेंसियों की मदद ले सकते हैं। पीठ ने यह निर्देश एक लंबित जनहित याचिका पर दिया। 'टीएन गोडावर्मन बनाम यूनियन ऑफ इंडिया' शीर्षक वाली यह याचिका वन संरक्षण के जुड़े मुद्दों पर है।

पीठ ने कहा- कुकुरमुत्ते की तरह दर्ज हो

रहीं जनहित याचिकाएं-पीठ ने जनहित याचिकाओं को लेकर भी सवाल उठाते हुए कहा, ज्यादातर याचिकाएं या तो लोकप्रियता के लिए दाखिल की जा रही हैं या फिर किसी निजी स्वार्थ के लिए। बीते कुछ समय में कुकुरमुत्ते की खेती की तरह जनहित याचिकाएं दाखिल की जा रही हैं। इनमें से ज्यादातर में कोई जनहित नहीं होती है। ये याचिकाएं सिर्फ कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग हैं।

शिवलिंग पर संघ प्रमुख के बयान को ओवैसी ने बताया पुराना ढर्रा, पीएम से मांगा स्पष्टीकरण

नई दिल्ली। बनारस की ज्ञानवापी मस्जिद विवाद के बीच आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की महत्वपूर्ण टिप्पणी को एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने संघ का पुराना ढर्रा बताया है। ओवैसी ने इस पर तमाम सवाल खड़े करते हुए 17 बिंदुओं का बयान जारी किया है। उन्होंने इस मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से स्पष्टीकरण की मांग की है।

संघ प्रमुख भागवत ने बीते दिनों कहा था कि कुछ धर्मस्थलों पर हिंदुओं का दावा हो सकता है, लेकिन हर मस्जिद में शिवलिंग क्यों ढूंढना चाहिए? उन्होंने यह भी कहा था कि विवादों का हल दोनों पक्षों को मिलजुलकर निकालना चाहिए अन्यथा कोर्ट का फैसला मानना चाहिए।

ओवैसी ने संघ प्रमुख के बयान पर कई सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और मोहन भागवत की बजाए पीएम मोदी को स्पष्ट बयान देना चाहिए। एआईएमआईएम नेता ने कहा कि यदि पीएम मोदी भागवत के बयान का समर्थन करते हैं तो उन्हें सभी हिंदुत्ववादी शीर्ष नेताओं को रोकना होगा।

असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि संघ प्रमुख के बयान को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। संघ की यह पुरानी रणनीति है कि जब चीजें अलोकप्रिय हो जाती हैं तो वह उनसे पल्ला झाड़ लेता है। शुक्रवार को ओवैसी ने 17 बिंदुओं को लेकर ट्विटर पर अपनी लंबी पोस्ट लिखी। इसमें एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा कि बाबरी आंदोलन के दौरान भी संघ नेताओं का एक वर्ग कहता था कि वह सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करेगा। ओवैसी ने कहा कि मोहन भागवत और जेपी नड्डा के पास कोई संवैधानिक पद नहीं है, इसलिए पीएम मोदी को स्पष्ट संदेश देना चाहिए कि वह 1991 के धर्मस्थल कानून के साथ हैं।

काशी, मथुरा, कुतुब का मुद्दा उठाने वाले जोकर

ओवैसी ने दावा किया कि विहिप के गठन से पहले अयोध्या का मुद्दा संघ के एजेंडे में नहीं था। यह 1989 में भाजपा के पालनपुर अधिवेशन में एजेंडा बना। उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस राजनीतिक रूप से दोमुंही भाषा बोलता है। उन्होंने कहा कि काशी, मथुरा, कुतुब मुद्दा उठाने वाले सभी जोकर हैं। इनका संघ से सीधा संबंध है।

कर्नाटक के स्कूल-कॉलेजों में जारी है हिजाब पर 'हथौड़ा'

बेंगलुरु। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में अधिकारियों ने कई चेतावनियों के बावजूद हिजाब पहनने के आरोप में गुरुवार को 6 मुस्लिम छात्राओं को निलंबित कर दिया। वहीं, एक अन्य कार्रवाई में 12 छात्राओं को कक्षाओं में भाग लेने के दौरान हिजाब पहनने के लिए स्कूल से वापस भेज दिया गया था। न्यूज एजेंसी एएनआई ने शासकीय प्रथम श्रेणी कॉलेज उप्पिनंगद्यो के प्राचार्य के हवाले से कहा, हिजाब पहनकर यहां पहुंचने पर एक और छात्र को कॉलेज से निलंबित कर दिया गया। उन्हें कल से छह दिनों के लिए निलंबित कर दिया गया था।

बार-बार हिजाब दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने के लिए उप्पिनंगडी गवर्नमेंट प्री यूनिवर्सिटी कॉलेज के छह छात्राओं को निलंबित कर दिया गया है। कॉलेज के प्राचार्य ने कॉलेज व्याख्याताओं के साथ बैठक करने के बाद छात्रों को निलंबित करने का निर्णय लिया। 6 छात्राओं को सरकारी आदेश और कक्षाओं में हिजाब पहनने पर रोक लगाने वाले हाईकोर्ट के फैसले की जानकारी दी गई।

हालांकि हम्पनाकट्टे के पास मंगलुरु यूनिवर्सिटी कॉलेज के अधिकारी हिजाब पहनकर आए छात्राओं को वापस भेज रहे हैं। गुरुवार को हिजाब पहनकर आई 16 छात्राओं ने मांग की कि उन्हें कक्षाओं में जाने की अनुमति दी जानी चाहिए। कॉलेज के प्राचार्य ने कक्षाओं में उनके प्रवेश से इनकार कर दिया और उन्हें वापस भेज दिया। सिंडिकेट की बैठक में यह फैसला लिया गया। छात्राएं जिला आयुक्त के कार्यालय भी गई थीं और हिजाब पहनकर कक्षाओं में नहीं जाने दिए जाने की शिकायत की थी।

6 मुस्लिम छात्राएं निलंबित

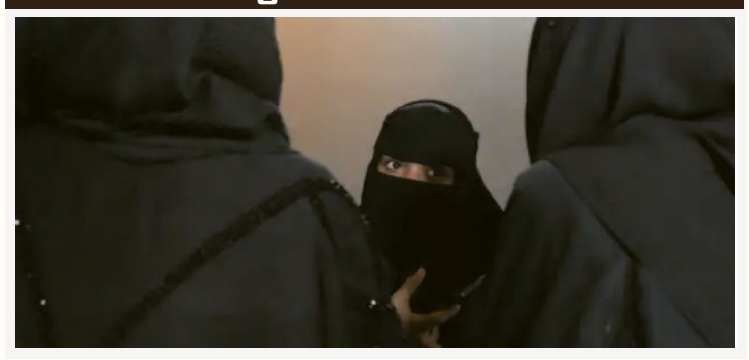

हालांकि हम्पनाकट्टे के पास मंगलुरु यूनिवर्सिटी कॉलेज के अधिकारी हिजाब पहनकर आए छात्राओं को वापस भेज रहे हैं। हिजाब पहनकर आई 16 छात्राओं ने मांग की कि उन्हें कक्षाओं में जाने की अनुमति दी जानी चाहिए।

डीसी ने उन्हें सरकार के नियमों और कोर्ट के आदेश का पालन करने की सलाह दी थी। हालांकि, छात्राएं नहीं मानी और गुरुवार को हिजाब पहनकर कॉलेज पहुंची।

उडुपी प्री-यूनिवर्सिटी गवर्नमेंट गर्ल्स कॉलेज की 6 छात्राओं द्वारा शुरू किया गया हिजाब विवाद राज्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियां बटोर रहा था। इस मामले की सुनवाई के लिए गठित उच्च न्यायालय की विशेष पीठ ने कक्षाओं में हिजाब सहित किसी भी धार्मिक प्रतीक को पहनने के खिलाफ फैसला सुनाया। अदालत ने स्कूलों में हिजाब पहनने की अनुमति मांगने वाले छात्राओं द्वारा दायर याचिका को भी खारिज कर दिया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार सच्चाई से जिसका मन भरा है, वह विद्वान न होने पर भी बहुत देश सेवा कर सकता है। - पं. मोतीलाल नेहरू

संपादकीय

पाकिस्तान के तीन टुकड़े?

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

पाकिस्तान के सत्तारुढ़ और विपक्षी नेताओं में इस बात को लेकर वाग्युद्ध चल पड़ा है कि क्या पाकिस्तान के तीन टुकड़े हो जाएंगे? इमरान खान ने एक साक्षात्कार में कह दिया कि अगर फौज ने सावधानी नहीं बरती तो पाकिस्तान के तीन टुकड़े हो सकते हैं। उनका अभिप्राय यह था कि शाहबाज़ शरीफ प्रधानमंत्री के तौर पर कामयाब नहीं हो पा रहे हैं। देश में महंगाई, भुखमरी और गरीबी तेजी से बढ़ रही है। पाकिस्तान की फौज इतने बुरे हालात पर चुप्पी क्यों साधे हुए हैं? जिस फौज ने इमरान खान को सत्ता से धकियाया, उसी फौज से वे पाकिस्तान को बचाने का अनुरोध कर रहे हैं। इमरान के बयान पर पूर्व राष्ट्रपति आसिफ जरदारी ने कहा कि वे नरेंद्र मोदी की भाषा बोल रहे हैं। शाहबाज शरीफ आजकल तुर्की में हैं। वे कह रहे हैं कि मैं देश के बिगड़े हुए हालात को काबू करने के लिए बाहर दौड़ रहा हूं और इमरान गलतबयानी करके कह रहे हैं कि पाकिस्तान का हाल सीरिया और अफगानिस्तान की तरह हो रहा है। इमरान ने यह भी कहा है कि पाकिस्तान का खजाना खाली हो गया है। फौज अगर कमजोर पड़ गई तो परमाणु अस्त्र का ब्रह्मास्त्र निरर्थक हो जाएगा। ऐसी हालत में अमेरिका और भारत मिलकर कब पाकिस्तान के टुकड़े कर देंगे, कुछ पता नहीं। इमरान को अगला चुनाव जीतना है। इस लक्ष्य को पाने के लिए यह जरुरी है कि वह अमेरिका और भारत को कोसें। लेकिन जहां तक पाकिस्तान के तीन टुकड़े होने का सवाल है, सच्चाई तो यह है कि उसके तीन नहीं, चार टुकड़े करने की मांग बरसों से हो रही है। जब केंद्र की सरकार थोड़ी कमजोर दिखाई पड़ती हैं तो पाकिस्तान के टुकड़ों की मांग जोर पकड़ने लगती है। ये चार टुकड़े हैं— पख्तूनिस्तान, बलूचिस्तान, सिंध और पंजाब! पंजाब सबसे अधिक शक्तिशाली, संपन्न, बहुसंख्यक और शासन में आगे है। इन प्रांतों के अलगाववादी नेताओं से पाकिस्तान में मेरी कई बार मुलाकातें हुई हैं। उनमें अफगानिस्तान, ईरान, अमेरिका और ब्रिटेन में भी खुलकर बातें हुई है। कई पठान, बलूच और सिंधी नेता दिल्ली आकर भी मुझसे मिले हैं। उनके साथ हुए अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध तो मैंने उनके साथ सहानुभूति जरुर व्यक्त की है लेकिन उनसे हमेशा मैंने नम्र निवेदन किया है कि पाकिस्तान के तीन या चार टुकड़े करना न उनके लिए फायदेमंद है, न भारत के लिए। अभी तो भारत को सिर्फ एक पाकिस्तान से व्यवहार करना पड़ता है। फिर चार-चार पाकिस्तानों से करना पड़ेगा और यह भी देखना पड़ेगा कि आपके आपसी दंगलों की आग कहीं भारत को न झेलनी पड़ जाए। भारत को मध्य एशिया और यूरोप के रास्तों की भी किल्लत बढ़ जाएगी। इसके अलावा इन सब छोटे-मोटे देशों की आर्थिक स्थिति बिगड़ती चली जाएगी, जिसका बोझ भी आखिरकार भारत को ही सम्हालना पड़ेगा। इसके अलावा स्वयं पाकिस्तान एक कमजोर और भूवेष्टित देश बन जाएगा। भारत तो चाहता है कि उसके सारे पड़ौसी देश संपन्न और सुरक्षित रहें। वे टूटे नहीं, बल्कि एक-दूसरे के साथ जुड़ते चले जाएं।

प्रकृति की सुरक्षा का करें संकल्प

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा/ 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेष)

विश्व पर्यावरण दिवस एक अभियान है। इस अभियान की शुरुआत करने का मुख्य उद्देश्य वातावरण की स्थितियों पर ध्यान केन्द्रित करने और पृथ्वी के सुरक्षित भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए पर्यावरण में सकारात्मक बदलाव का भाग बनने के लिए लोगों को प्रेरित करना है। दुनिया में हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। इस दिन लोगों को कई कार्यक्रमों के जरिये प्रकृति को संरक्षित रखने और इससे खिलवाड़ न करने के लिए जागरूक किया जाता हैं। इन कार्यक्रमों के जरिये लोगों को पेड़-पौधे लगाने, पेड़ों को संरक्षित करने, हरे पेड़ न काटने, नदियों को साफ रखने और प्रकृति से खिलवाड़ न करने जैसी चीजों के लिए जागरुक किया जाता है। पर्यावरण दो शब्दों परि और आवरण से मिलकर बना है। परि का अर्थ होता है हमारे आसपास या हमारे चारों और। आवरण का अर्थ होता है हम चारों और जिससे घिरे हैं। अर्थात पर्यावरण का अर्थ हमारे आस-पास के वातावरण से हैं। पर्यावरण पेड़-पौधों, वायु हमारे आस-पास की सभी चीजों से मिलकर बनता है। पर्यावरण हमारे दैनिक जीवन से सीधा संबंध रखता हैं। मानव और पर्यावरण एक दूसरे से संबंधित तथा एक दूसरे पर निर्भर होते हैं। पर्यावरण प्रदूषण जैसे पेड़ों का कम होना, वायु प्रदूषण आदि मनुष्य के स्वास्थ्य पर सीधा प्रभाव डालता हैं। मानव की अच्छी बुरी आदतों का प्रभाव सीधा पर्यावरण पर पड़ता हैं। विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य मानव जाति को पर्यावरण के प्रति सचेत करना हैं। उसका उद्देश्य पूरी प्रकृति व पर्यावरण की सुरक्षा करना हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 1972 में पहली बार विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया था। लेकिन विश्व स्तर पर इसके मनाने की शुरुआत 5 जून 1974 को स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में हुई थी। जहां 119 देशों की मौजूदगी में पर्यावरण सम्मेलन का आयोजन किया गया था। साथ ही प्रति वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का निर्णय लिया गया था। इस सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम का गठन भी हुआ था। हर वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस के लिए एक थीम निर्धारित की जाती है। विश्व पर्यावरण दिवस 2022 को केवल एक पृथ्वी थीम के तहत आयोजित किया जाएगा। जिसमें हमारी पसंद के माध्यम से स्वच्छ, हरित जीवन शैली के लिए प्रकृति के साथ सद्भाव में रहने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया है। इस साल की शुरुआत में जारी संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की मेकिंग पीस विद नेचर रिपोर्ट के अनुसार सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था को बदलने का अर्थ है। प्रकृति के साथ हमारे संबंधों में सुधार करना। उसके मूल्य को समझना और उस मूल्य को निर्णय लेने के केंद्र में रखना। इस पर्यावरण दिवस पर हम सब इस बारे में सोचें कि हम अपनी धरती को स्वच्छ और हरित बनाने के लिए और क्या कर सकते हैं। किस तरह इस दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। पर्यावरण दिवस पर अब सिर्फ पौधारोपण करने से कुछ नहीं होगा। जब तक हम यह सुनिश्चित नहीं कर लेते कि हम उस पौधे के पेड़ बनने तक उसकी देखभाल करेंगें। हम सब को मिलकर पृथ्वी को प्रदूषण मुक्त बनाने का संकल्प लेकर उस दिशा में काम करना प्रारम्भ करना चाहिये। सरकार हर वर्ष नदियों के पानी को प्रदूषण मुक्त करने के लिए अरबों रुपए खर्च करती आ रही है। उसके उपरांत भी नदियों का पानी शुद्ध नहीं हो पाता है। मगर गत दो वर्षों में देश में लाकडाउन के चलते बिना कुछ खर्च किए ही नदियों का पानी अपने आप शुद्ध हो गया था। पर्यावरणविदों के मुताबिक जिन नदियों के पानी से स्नान करने पर चर्म रोग होने की संभावनाएं व्यक्त की जाती थी। उन नदियों का पानी शुद्ध हो जाना बहुत बड़ी बात थी। देश की सबसे अधिक प्रदूषित मानी जाने वाली गंगा नदी सबसे शुद्ध जल वाली नदी बन गयी थी। वैज्ञानिकों के अनुसार गंगा का पानी साफ होने की वजह पानी में घुले डिसाल्वड की मात्रा में आई 500 प्रतिशत की कमी थी। गंगा में गिरने वाले सीवर और अन्य प्रदूषण में कमी की वजह से पानी साफ हुआ था। नेशनल हेल्थ पोर्टल आफ इंडिया के मुताबिक देश में हर साल करीब 70 लाख लोगों की मौत वायु प्रदूषण की वजह से हो जाती है। वायु प्रदूषण के चलते लोगों को शुद्ध हवा नहीं मिल पाती है। जिसका हमारे शरीर में फेफड़े, दिल और ब्रेन पर बुरा असर पड़ रहा है। देश में 34 प्रतिशत लोग प्रदूषण की वजह से मरते हैं। मगर लाकडाउन के चलते प्रदूषण कम होने की वजह से देश में होने वाली मौतें भी कम हुई थी। देश में तेजी से हो रहे शहरीकरण के कारण बड़ी मात्रा में कृषि भूमि आबादी की भेंट चढ़ती गई। जिस कारण वहां के पेड़ पौधे काट दिये गये व नदी नालों को बंद कर बड़े-बड़े भवन बना दिए गए। जिससे वहां रहने वाले पशु, पक्षी अन्यत्र चले गए। पुराने समय में पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिये बड़-पीपल जैसे घने छायादार पेड़ो को काटने से रोकने के लिये उनकी देवताओं के रूप में पूजा की जाती रही है। इसी कारण गावों में आज भी लोग बड़, पीपल का पेड़ नहीं काटते हैं। विश्व पर्यावरण दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के दूसरे तरीकों सहित सभी देशों के लोगों को एक साथ लाकर जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने और जंगलों के प्रबन्ध को सुधारना है। वास्तविक रुप में पृथ्वी को बचाने के लिये आयोजित इस उत्सव में सभी आयु वर्ग के लोगों को सक्रियता से शामिल करना होगा। तेजी से बढ़ते शहरीकरण व

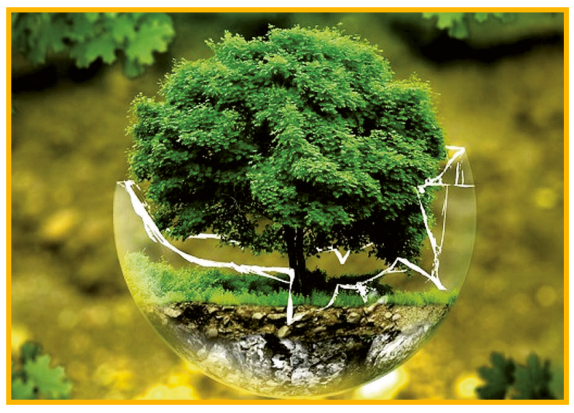

लगातार काटे जा रहे पड़ो के कारण बिगड़ते पर्यावरण संतुलन पर रोक लगानी होगी। प्रदूषण के उच्च स्तर के कारण आज हमारा पर्यावरण खतरे में हैं। पर्यावरण के सभी घटक जीवमंडल, जलमंडल, वायुमंडल सभी प्रदूषण में फंस गए हैं। प्रदूषण का बढ़ता प्रभाव सामान्य प्राकृतिक पर्यावरण को बहुत अधिक प्रभावित कर रहा हैं। ज्वालामुखी का फटना जंगल में अपने आप आग लगना आदि प्राकृतिक प्रदूषण की घटनाएं हैं। जल का मैला होना, वाहनों से निकलने वाला धुआं, कल कारखानों से निकलने वाला धुऐ से उत्पन्न होने वाला प्रदूषण, वनों की कटाई आदि मानव द्वारा निर्मित प्रदूषण हैं। मानव द्वारा निर्मित प्रदूषण से प्रकृति व पर्यावरण का विनाश तेजी से हो रहा हैं। प्रदूषण के मुख्य रूप जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण और मृदा प्रदूषण हैं। ऐसे में पर्यावरण प्रबंधन की वर्तमान में बहुत आवश्यकता हैं। पर्यावरण के अभाव में जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। हमें भविष्य में जीवन को बचाये रखने के लिए पर्यावरण की सुरक्षा को सुनिश्चित करना होगा। यह पृथ्वी पर निवास करने वाले प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। हर व्यक्ति को आगे आकर पर्यावरण संरक्षण की मुहिम का हिस्सा बनना होगा तभी हम पृथ्वी को सुरक्षित रख सकेगें। इस दिन हमें आमजन को भागीदार बना कर उन्हे इस बात का अहसास करवाना होगा कि बिगड़ते पर्यावरण असंतुलन का खामियाजा हमे व हमारी आने वाली पीढियों को उठाना पड़ेगा। इसलिये हमें अभी से पर्यावरण को लेकर सतर्क व सजग होने की जरूरत है। हमें पर्यावरण संरक्षण की दिशा में तेजी से काम करना होगा तभी हम बिगड़ते पर्यावरण असंतुलन को संतुलित कर पायेगें। तभी हमारी आने वाली पीढ़ियां शुद्ध हवा में सांस ले पायेगी।

प्रदूषण को रोकने पर्यावरण संरक्षण आवश्यक

(लेखक- डॉ. वंदना सेन)

जल के अभाव में वसुंधरा सूख रही है। पेड़ आत्महत्या कर रहे हैं। नदियां समाप्ति की ओर हैं। कुए, बाबड़ी रीत गए हैं। यह एक ऐसा भयानक संकट है, जिसको हम जानते हुए भी अनदेखा कर रहे हैं। अगर इसी प्रकार से चलता रहा तो आने वाला समय कितना त्रासद होगा, इसकी अभी मात्र कल्पना ही की जा सकती है, लेकिन जब यह समय सामने होगा तब हमारे हाथ में कुछ भी नहीं होगा। यह सभी जानते हैं कि प्रकृति ही जीवन है, प्रकृति के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते। जब हम प्रकृति कहते हैं तो स्वाभाविक रूप मानव यही सोचता है कि पेड़ पौधों की बात हो रही है, लेकिन इसका आशय इतना मात्र नहीं, बहुत व्यापक है। प्रकृति में जितने तत्व हैं, वे सभी तत्व हमारे जीवन का आवश्यक अंग हैं। चाहे वह श्वांस हो, जल हो, या फिर खाद्य पदार्थ ही हों। सब प्रकृति की ही देन हैं। विचार कीजिए जब यह सब नहीं मिलेगा, तब हमारा जीवन कैसा होगा? देश में अनेक संस्थाओं द्वारा पौधारोपण के कार्य भी किए जाते हैं। विसंगति यह है कि पौधारोपण करने के बाद उन पौधों का क्या होता है। यह सब देखने का समय हमारे पास नहीं है। पौधों के लिए जल ही जीवन है और पौधा भी एक जीवित वनस्पति है। अगर किसी पौधे का जीवन जन्म के समय ही समाप्ति होने की ओर अग्रसर होता है तो स्वाभाविक रूप से यही कहा जा सकता है कि ऐसा करके हम निश्चित ही एक जीवन की हत्या ही कर रहे हैं। भारतीय संस्कृति में हत्या के परिणाम क्या होते हैं, इसे बताने की आवश्यकता नहीं हैं, लेकिन यह सत्य है कि जिस पेड़ की असमय मौत होती है, उसकी आत्मा कराह रही होती है। हम अगर पेड़ या पौधे में जीवन का अध्ययन करें तो हमें स्वाभाविक रूप से यह ज्ञात हो जाता है कि जीवित वनस्पति जब मौत की ओर जाती है, तब उसकी क्या स्थिति होती होगी। अब जरा अपने शरीर का ही विचार कर लीजिए, उसे भोजन नहीं मिलेगा, तब शरीर का क्या हाल होगा। वर्तमान में हम सब पर्यावरण प्रदूषण का शिकार हो रहे हैं। यह सब प्रकृति के साथ किए जा रहे खिलवाड़ का ही परिणाम है। हम सभी केवल इस चिंता में व्यस्त हैं कि पेड़ पौधों के नष्ट करने से प्रदूषण बढ़ रहा है, लेकिन क्या हमने कभी इस बात का चिंतन किया है कि हम प्रकृति संरक्षण के लिए क्या कर रहे हैं। क्या हम प्रकृति से जीवन रूपी सांस को ग्रहण नहीं करते? क्या हम शुद्ध वातावरण नहीं चाहते? तो फिर क्यों दूसरों की कमियां देखने में ही व्यस्त हैं। हम स्वयं पहल क्यों नहीं करते? आज प्रकृति कठोर चेतावनी दे रही है। बिगड़ते पर्यावरण के कारण हमारे समक्ष महामारियों की अधिकता होती जा रही हैं। अगर हम इस चेतावनी को समय रहते नहीं समझे तो आने वाला समय कितना विनाश कारी होगा, कल्पना कर सकते हैं। वर्तमान में स्थिति यह है कि हम पर्यावरण को बचाने के लिए बातों से चिंता व्यक्त करते हैं। सवाल यह है कि इस प्रकार की चिंता करने समाज ने अपने जीवन काल में कितने पौधे लगाए और कितनों का संवर्धन किया। अगर यह नहीं किया तो यह बहुत ही चिंता का विषय इसलिए भी है कि जो व्यक्ति पर्यावरण के प्रभाव और दुष्प्रभावों से भली भांति परिचित है, वही निष्क्रिय है तो फिर सामान्य व्यक्ति के क्या कहने। ऐसे व्यक्ति यह भी अच्छी तरह से जानते हैं कि पर्यावरण और जीवन का अटूट संबंध है। यह संबंध आज टूटते दिखाई दे रहे हैं। प्राण वायु ऑक्सीजन भी दूषित होती जा रही है। वह तो भला हो कि ईश्वर के अंश के रूप में में भारत भूमि पर पैदा हुआ हमारे इस शरीर में ऐसा श्वसन तंत्र विद्यमान है, जो वातावरण से केवल शुद्ध ऑक्सीजन ग्रहण करता है, लेकिन सवाल यह है कि जिस प्रकार से देश में जनसंख्या बढ़ रही है, उसके अनुपात में पेड़ पौधों की संख्या बहुत कम है। इतना ही नहीं लगातार और कम होती जा रही है। जो भविष्य के लिए खतरे की घंटी है। आज के समाज की मानसिकता का सबसे बड़ा दोष यही है कि अपनी जिम्मेदारियों को भूल गया है। अपने संस्कारों को भूल गया है। किसी भी प्रकार की विसंगति को दूर करने के लिए समाज

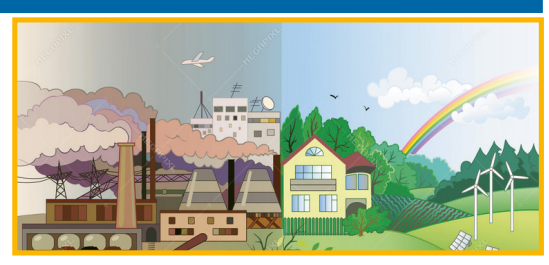

की ओर से पहल नहीं की जाती। वह हर समस्या के लिए शासन और प्रशासन को ही जिम्मेदार ठहराता है। जबकि सच यह है कि शासन के बनाए नियमों का पालन करने की जिम्मेदारी हमारी है। शासन और प्रशासन में बैठे व्यक्ति भी समाज के हिस्सा ही है। इसलिए समाज के नाते पर्यावरण को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी हम सबकी है। पौधों को पेड़ बनाने की दिशा में हम भी सोच सकते हैं। प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने के लिए हम कपड़े के थैले का उपयोग कर सकते हैं। अभी ज्यादा संकट नहीं आया है, इसलिए क्यों नहीं हम आज से ही एक अच्छे नागरिक होने का प्रमाण प्रस्तुत करें। क्योंकि दुनिया में कोई भी कार्य असंभव नहीं है। पिछले एक साल से कोरोना संक्रमण के चलते हमारी जीवन चर्या में बहुत बड़ा परिवर्तन आया है। जिसमें हर व्यक्ति को अपने जीवन के लिए प्रकृति का महत्व भी समझ में आया, लेकिन सवाल यह है कि क्या इस परिवर्तन के अनुसार हम अपने जीवन को ढाल पाएं हैं? यकीनन नहीं। वर्तमान में हमारा स्वभाव बन चुका है कि हम अच्छी बातों को ग्रहण करने के लिए प्रवृत नहीं होते। जीवन की भी अपनी प्रकृति और प्रवृति होती है। इसी कारण कहा जा सकता है कि जो व्यक्ति प्रकृति के अनुसार जीवन यापन नहीं करता, उसका प्रकृति कभी साथ नहीं देती। हमें घटनाओं के माध्यम से जो संदेश मिलता है, उसे जीवन का अहम हिस्सा बनाना होगा, तभी हम कह सकते हैं कि हमारा जीवन प्राकृतिक है।

आज के कार्टुन

समर्पण

श्रीराम शर्मा आचार्य/ कौन मना करेगा? कोई नहीं करेगा। खिला हुआ फूल बीवी के हाथ में रख दिया जाए, तो बीवी मना करेगी क्या? बेशक, नहीं बल्कि नाक से लगाकर सूंघेगी, छाती से लगा लेगी और कहेगी कि मेरे प्रियतम ने गुलाब का फूल लाकर के दिया है। ऐसा होगा लेकिन एक सवाल सहसा दिमाग में कौंधता है, और वह यह कि मित्रो! फूल को हम क्या करते हैं? यही न कि उस सुगंध वाले फूल को हम पेड़ से तोड़कर भगवान के चरणों पर समर्पित कर देते हैं, और कहते हैं कि हे परम पिता परमेर! हे शक्ति और भक्ति के स्रोत! हम फूल जैसा अपना जीवन तेरे चरणारविन्दों पर समर्पित करते हैं। यह हमारा फूल, यह हमारा अंत-करण सब कुछ तेरे ऊपर न्यौछावर है। हे भगवान! हम तेरी आरती उतारते हैं, और तेरे पर बलि बलि जाते हैं। हे भगवान! तू धन्य है। सूरज तेरी आरती उतारता है, चांद तेरी आरती उतारता है। हम भी तेरी आरती उतारेंगे। तेरी महता को समझेंगे, तेरी गरिमा को समझेंगे। तेरे गुणों को समझेंगे और सारे विश्व में तेरे सबसे बड़े अनुदान और शक्ति प्रवाह को समझेंगे। हे भगवान! हम तेरी आरती उतारते हैं, तेरे स्वरूप को देखते हैं। तेरा आगा देखते हैं, तेरा पीछा देखते हैं, नीचे देखते हैं। सारे मुल्क में देखते हैं। यही तो आत्मसमर्पण है। तेरा तुझको अर्पण यही तो है। जब हम इस प्रकार से समर्पण करते हैं, तो यकीनन अहंकार हमसे दूर जा छिटकता है। हम अहंकार से छुटकारा पा लेते हैं। हम शंख बजाते हैं। शंख एक कीड़े की हड्डी का टुकड़ा है, और वह पुजारी के मुखमंडल से जा लगा और ध्वनि करने लगा। दूर-दूर तक शंख की आवाज पहुंच गई। हमारा जीवन भी शंख के तरीके से जब पोला हो जाता है, इसमें से मिट्टी और कीड़ा जो भरा होता है, उसे हम निकाल देते हैं। जब तक इसे नहीं निकालेंगे, वह नहीं बजेगा मिट्टी को निकाल दिया, कीड़े को निकाल दिया। पोला वाला शंख पुजारी के मुख पर रखा गया और वह बजने लगा। पुजारी ने छोटी आवाज से बजाया, छोटी आवाज बजी। बड़ी आवाज से बजाया, बड़ी आवाज बजी। हमने भगवान का शंख बजाया और कहा कि मैंने तेरी गीता गाई। भगवान! तूने सपने में जो संकेत दिए थे, वे सारे के सारे तुझे समर्पित कर रहे हैं। शंख बजाने का क्रियाकलाप मानव प्राणियों के कानों में, मस्तिष्कों में भगवान की सूक्ष्म इच्छाएं और आकांक्षाएं फैलाने का प्रशिक्षण करता है।

सू-दोकू नवताल -2134

	9	7		2		6		4
		3			7	9	1	
8	1		9	6				
	6	9		7	1	5		
4			5	3	9			7
		5	6	4		2	3	
				8	2		5	6
	5	4	3			8		
2		6		1		7	9	

सू-दोकू -2133 का हल

2	6	4	5	1	7	3	8	9
7	1	5	9	3	8	6	4	2
9	8	3	4	6	2	7	1	5
5	7	8	6	2	1	9	3	4
3	2	1	7	9	4	8	5	6
6	4	9	8	5	3	2	7	1
8	9	6	3	4	5	1	2	7
4	3	2	1	7	9	5	6	8
1	5	7	2	8	6	4	9	3

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2134

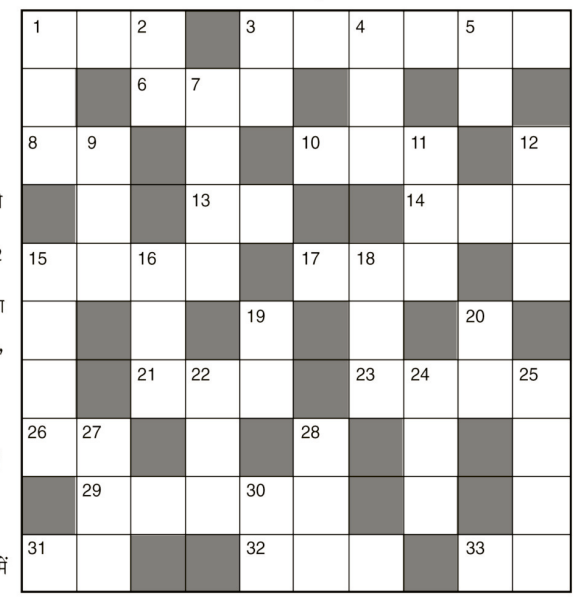

बायें से दायें:-

1. अजय देवगन, उर्मिला, महिमा की 'चुराओ ना दिल' गीत वाली फिल्म-3
3. 'प्रेमी आशिक आवारा' गीत वाली अजय देवगन, मधु की फिल्म-2,2,2
6. जिमी शेरगिल, ऋशिता की 'आँखें भी होती हैं' गीत वाली फिल्म-3
8. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली अभिषेक, भूमिका की फिल्म-2
10. शत्रुघ्न सिन्हा, श्रीदेवी की 'कोई मर्द ना ऐसा' गीत वाली फिल्म-3
13. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करण नाथ, मनीषा, नतान्या की फिल्म-2
14. सनी देओल, फरहा की 'रूत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-3
15. 'तेरी निगाहों पें मर' गीत वाली महमूद, विजयलक्ष्मी की फिल्म-4
17. अक्षय, सुनील, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख' गीत वाली फिल्म-3
21. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पान की फिल्म-3
23. शशिकपूर, शर्मिला की 'वो तेरे प्यार का गम' गीत वाली फिल्म-2,2
26. फिल्म 'परिचय' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-2
29. 'मेरे प्यार की आवाज' गीत वाली विनोद खन्ना, नीतू सिंह की फिल्म-5
31. 'महबूब की मेहंदी' में राजेशखन्ना के साथ नायिका कौन थी-2
32. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-3
33. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

1. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय खन्ना, अमृताराव की आगामी नई फिल्म-3
2. 'करीब' में बॉबी की नायिका -2
3. कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-2
4. सलमान, संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'अरे बाब' गीत वाली फिल्म-3
5. 'इश्क समंदर' गीत वाली फिल्म-2
7. संजयकपूर, प्रिया गिल, सुष्मिता की 'होश ना खबर' गीत वाली फिल्म-2,2
9. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा की फिल्म-3
11. 'प्यार करना नही' गीत वाली फिल्म-3
12. किशोरकुमार, मधुबाला की फिल्म-3
15. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'जंगल में मोर नाचा' गीत वाली फिल्म-4
16. 'आवारा' की नायिका कौन थी-3
18. 'तुम्हें जिंदगी के' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की फिल्म-3
19. विक्रम, लक्ष्मी की 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली फिल्म-2
20. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली फिल्म-2
22. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-1,2
24. 'पैसे बिना प्यार' गीत वाली फिल्म-3
25. मिथुन, काजल किरण की 'तेरे नाम का दिवाना' गीत वाली फिल्म-4
27. ऋषिकपूर, माधुरी की फिल्म-3
28. रेमो फर्नांडीस के गीत 'देखो देखो ये है जलवा' गीत वाली फिल्म-3
30. अमिताभ, गोविंदा, किमी की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2133

घा	त		स	फ	र		आ	क्रो	श
य			फा		ह	मे	शा		
ल	व	स्टो	री		मा	ला		अं	
	ही			आ	न		आ	जा	द
अं	दा	ज		ई		सं	ग	म	
गा		या	रा	ना		सा			खु
रे	खा		ज		स	र	फ	रो	श
	मो			सु	र		रा		बू
आ	शी	र्वा	द		ग	द	र		
भीं			स	न	म			यु	वा

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सोयाबीन डीगम और पामोलीन तेलों के महंगा होने से सरसों, मूंगफली, की मांग बढ़ी

नई दिल्ली ।
आयात किये जाने वाले सोयाबीन डीगम और पामोलीन तेलों के महंगा होने से दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में सरसों, मूंगफली, सोयाबीन और बिनौला जैसे देशी तेलों की मांग बढ़ी हैं, इससे शुक्रवार के दाम के मुकाबले शनिवार को इनकी कीमतों में मामूली सुधार आया जबकि दूसरी ओर सोयाबीन तेल तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल कीमतें पूर्वस्तर पर बनी रहीं। सूत्रों ने बताया कि विदेशों में खाद्यतेलों के भाव मजबूत बने हुए हैं। सीपीओ का आयात कर उसका प्रसंस्करण करना महंगा बैठता है। पामोलीन और सोयाबीन डीगम जैसे तेल के आयात में भी नुकसान है। एक इन तेलों के दाम महंगे हैं, दूसरा आयात के मुकाबले स्थानीय बाजार में इन तेलों के भाव नीचे चल रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि इन दोनों तेलों के आयात में करीब पांच रुपये प्रति किग्रा का नुकसान है। इसकारण सरसों, मूंगफली और बिनौला जैसे देशी तेलों की मांग बढ़ी है। सूत्रों ने कहा कि आयातित तेलों के महंगा होने के कारण सरसों पर काफी दबाव हैं, सरसों के रिफाइंड बनाकर आयातित तेलों की कमी को पूरा किया जा रहा है। मंडियों में सरसों की आवक भी कम होने लगी है और यह घटकर लगभग साढ़े तीन लाख बोरी रह गई है। यह स्थिति सरसों के लिए अच्छी नहीं है और बरसात के मौसम में मांग बढ़ने के बाद सरसों की दिक्कत देखने को मिल सकती है। सूत्रों ने कहा कि सरकार को फुटकर विक्रेताओं के

अधिकतम खुदरा मूल्य की निगरानी के लिए एक जांच दल का गठन करना चाहिए ताकि विभिन्न स्थानों पर इनके एमआरपी की निगरानी रखते हुए उचित कार्रवाई की जा सके। इस जांच दल को यह भी देखना होगा कि शुल्कों में छूट का फायदा आम उपभोक्ताओं तक पहुंच रहा है या नहीं।

ओपेक ने किया तेल उत्पादन बढ़ाने का निर्णय, आने वाले समय में कीमत में राहत की उम्मीद

नई दिल्ली ।
तेल उत्पादन से जुड़े संगठन ओपेक और रूस सहित अन्य तेल उत्पादक देशों ने बैठक के बाद तेल उत्पादन में 50 फीसदी इजाफा करने का फैसला किया है। बैठक के बाद जारी बयान में कहा गया कि ओपेक प्लस देशों ने कहा कि जुलाई और अगस्त महीने के लिए रोजना तेल उत्पादन में 6.48 लाख बैरल की बढ़ोतरी की जाएगी जो फिलहाल रोजाना 4.32 लाख बैरल है। कोरोना के बाद से ओपेक कच्चे तेल के दाम उच्च स्तर पर रखने के लिए लगातार मांग के मुकाबले धीमी रफ्तार के साथ उत्पादन में वृद्धि कर रहा था। अब इस फैसले के बाद माना जा रहा है कि आने वाले समय में कच्चे तेल की कीमत में राहत मिल सकती है।

दुनियाभर में महंगाई के पीछे की एक बड़ी वजह कच्चे तेल का महंगा होना है। कम उत्पादन और रूस- यूक्रेन युद्ध के कारण दुनिया के बड़े तेल उत्पादक देश रूस से आपूर्ति बाधित होने के कारण कच्चा तेल लगातार महंगा होता जा रहा है, जिसके कारण ग्लोबल अर्थव्यवस्था में मंदी और ग्रोथ धीमी होने का मंडरा रहा था। ऐसे में भारत, जापान, अमेरिका जैसे तेल खरीदार ग्रोथ पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका चाहता है कि यूरोपीय देश रूस से तेल खरीदना बंद कर दे, जिससे रूस की आर्थिक कमर तोड़ी जा सके। इसके अमेरिका ओपेक देशों पर लगातार तेल उत्पादन बढ़ाने का दबाव बना रहा है। वहीं, खबर यह भी है इसे लेकर अमरीकी राष्ट्रपति जो बाइडेन जल्द सऊदी अरब का दौरा भी कर सकते हैं।

ओपेक देशों की ओर से तेल उत्पादन में वृद्धि जुलाई महीने से लागू होगी, जिसका असर पेट्रोल-डीजल की कीमत पर कितना पड़ेगा ये अभी कहना मुश्किल है लेकिन उत्पादन बढ़ने के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमत नीचे आने की संभावना बनी हुई है। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण दुनिया में कच्चे तेल की कीमतों में 30 फीसदी तक का उछाल देखा गया है। फिलहाल अंतरराष्ट्रीय बाजार एक बैरल कच्चे तेल की कीमत 120 डॉलर के आस-पास बनी हुई है।

स्विगी वन के सदस्यों के लिए कंपनी लाई 3 नए फायदे

नई दिल्ली ।
ऑनलाइन खाना मंगाने के शौकीनों के लिए फूड ऑर्डर और डिलीवरी की सुविधा देने वाली कंपनी स्विगी ने अपने सब्सक्रिप्शन प्रोग्राम स्विगी वन की सदस्यता लेने वाले यूजर्स के लिए तीन नए लाभ देने की घोषणा की है। कंपनी ने गुरुवार को बयान में कहा, 'इस प्रोग्राम से जुड़े सदस्यों को 10 किलोमीटर के दायरे में आने वाले सभी रेस्टोरेंट से कम से कम 149 रुपये वाले आर्डर की फ्री में अनलिमिटेड डिलीवरी मिलेगी।' कंपनी ने कहा कि स्विगी इंस्टामार्ट पर सदस्य विशेष पेशकश के तहत 1000 से अधिक प्रोडक्ट्स पर और अब अधिक पैसे बचा सकते है। इसमें रोजमर्रा के इस्तेमाल वाले प्रोडक्ट्स समेत फल, सब्जियों, बच्चों के उत्पाद, निजी देखभाल, घर के इस्तेमाल और अन्य प्रोडक्ट्स शामिल हैं।

स्विगी के मुताबिक, इस प्रोग्राम से जुड़ने के लिए ग्राहकों को 12 महीने के लिए 899 और तीन महीने के लिए 299 रुपये देने होंगे। कंपनी ने बताया कि 2 जून से स्विगी वन के मेंबर को ये एक्सट्रा फायदे मिलने शुरू हो जाएंगे। इसमें नए और पुराने सभी मेंबर शामिल हैं। अगर आपने 2 जून से स्विगी वन की मेंबरशिप ली है तो बचे हुए समय में मेंबर को ये फायदे मिलेंगे। गौरतलब है कि ऑनलाइन खाना आर्डर और डिलिवरी की सुविधा देने वाली कंपनी स्विगी 'डाइनआउट' का अधिग्रहण करेगी। इसके लिए कंपनी ने डाइनआउट का स्वामित्व रखने वाली टाइम्स इंटरनेट के साथ एक निश्चित समझौता किया है। हालांकि, अधिग्रहण राशि का खुलासा नहीं किया गया है।

स्विगी ने हाल ही में एक बयान में कहा था कि 20 शहरों के 50,000 से अधिक रेस्टोरेंट में टेबल बुक करने की सुविधा देने वाली डाइनआउट, इस अधिग्रहण के बाद भी एक एप्लीकेशन के तौर पर स्वतंत्र रूप से संचालन करना जारी रखेगी। कंपनी ने बताया था कि डाइनआउट के संस्थापक ज अंकित मेहरोत्रा, निखिल बख्शी, साहिल जैन और विवेक कपूर को अधिग्रहण पूरा होने के बाद स्विगी में शामिल किया जाएंगे।

अमेरिका में मई में 3.9 लाख नए रोजगार पैदा हुए

वाशिंगटन ।
ऊंची मुद्रास्फीति और बढ़ती ब्याज दरों से परेशान अमेरिकी अर्थव्यवस्था के भीतर मई में 3.9 लाख नए रोजगार पैदा हुए। यह मुश्किलों में घिरी अर्थव्यवस्था के लिए एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। अमेरिकी श्रम विभाग ने मई महीने के रोजगार आंकड़े जारी करते हुए कहा कि इस दौरान 3,90,000 नए रोजगार पैदा हुए। हालांकि अमेरिका में बेरोजगारी दर मई में 3.6 प्रतिशत पर बनी रही। कंपनियों ने मंदी की आशंकाओं के बावजूद नई भर्तियां करने में कोताही नहीं की। अमेरिकी नागरिकों ने ऊंची मुद्रास्फीति को लेकर जताई जा रही चिंताओं के बावजूद खुलकर खर्च करना जारी रखा है जिससे कंपनियां भी नई भर्तियां कर रही हैं। मई में रोजगार वृद्धि अच्छी होने के बावजूद पिछले एक साल में दर्ज यह सबसे कम मासिक वृद्धि है। अर्थव्यवस्था के अमूमन हर प्रमुख क्षेत्र में इस दौरान नए रोजगार पैदा हुए।

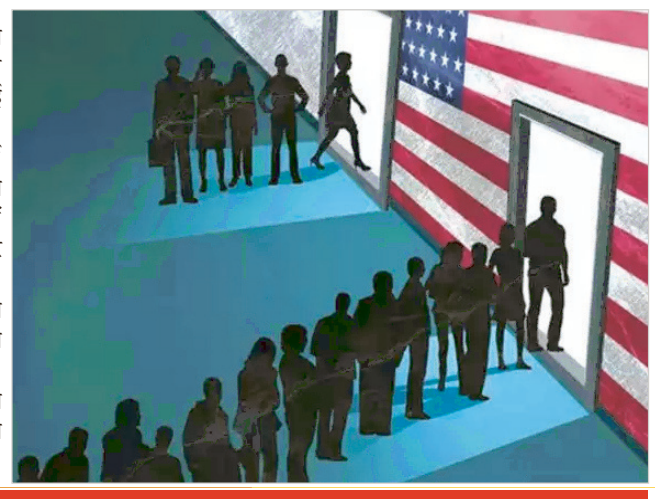

आरबीआई ने पंजाब एंड सिंध बैंक पर 27.5 लाख का लगाया जुर्माना

नई दिल्ली ।
भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पंजाब एंड सिंध बैंक पर नियमों का उल्लंघन करने पर 27 लाख रुपए से ज्यादा का जुर्माना लगाया है। पंजाब एंड सिंध बैंक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, जवाब संतोषजनक नहीं था और नियम उल्लंघन की बात सही साबित हुई। इस वजह से 27.5 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। आरबीआई के मुताबिक पंजाब एंड सिंध बैंक ने बाहरी बेंचमार्क-आधारित कर्ज पर जारी कुछ निर्देशों का पालन नहीं किया था। हालांकि, आरबीआई ने स्पष्ट किया कि बैंक द्वारा अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता पर सवाल करने का इरादा नहीं है। आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को शेयर 15.30 रुपए के स्तर पर था। शेयर के भाव में एक दिन पहले के मुकाबले 0.97 फीसदी की गिरावट आई है। बता दें कि बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में पंजाब एंड सिंध बैंक का मुनाफा दोगुना से अधिक होकर 346 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। बैंक के मुताबिक डूबा कर्ज घटने से उसका मुनाफा बढ़ा है। पंजाब एंड सिंध बैंक ने वित्त वर्ष 2020-21 की समान तिमाही में 160.79 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया था।

आईनॉक्स ने इक्विटी शेयर, परिवर्तनीय वारंट जारी कर 400 करोड़ जुटाए

नई दिल्ली । आईनॉक्स विंड ने कहा कि उसने इक्विटी शेयर और परिवर्तनीय वारंट जारी कर 400 करोड़ रुपए से अधिक जुटाए हैं। आईनॉक्स विंड ने शेयर बाजार को भेजी सूचना में कहा कि उसने दो जून को 402.50 करोड़ रुपए के इक्विटी शेयरों और परिवर्तनीय वारंट का आबंटन पूरा कर लिया है। इन्हें क्रमशः 126 और 132 रुपए के निर्गम मूल्य पर जारी किया गया है। इससे पहले अप्रैल में पवन ऊर्जा कंपनी के निदेशक मंडल ने तरजीही आधार पर इक्विटी शेयर और परिवर्तनीय वारंट जारी कर 402.5 करोड़ रुपये जुटाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। आईनॉक्स विंड देश की अग्रणी पवन ऊर्जा समाधान प्रदान करने वाली कंपनियों में से एक है। कंपनी के गुजरात, हिमाचल प्रदेश और मध्य प्रदेश में तीन उत्पादन संयंत्र हैं।

नायडू को भारत-सेनेगल व्यापार संबंधों में महत्वपूर्ण वृद्धि की उम्मीद

डकार । उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने उम्मीद जताई है कि भारत-सेनेगल के बीच द्विपक्षीय व्यापार में आने वाले वर्षों के दौरान महत्वपूर्ण वृद्धि होगी। गौरतलब है कि कोरोना वायरस महामारी के बावजूद यह आंकड़ा 2021-22 में रिकॉर्ड 1.65 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया। उपराष्ट्रपति ने तीन देशों गैबॉन, सेनेगल और कतर के अपने के दौरे के दूसरे चरण में यहां भारत-सेनेगल व्यापार कार्यक्रम को संबोधित किया। उनके कार्यालय ने ट्वीट किया कि उपराष्ट्रपति ने कहा कि महामारी के बावजूद, दोनों देशों के बीच आर्थिक और व्यापारिक संबंधों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और द्विपक्षीय व्यापार 2021-22 में 1.65 अरब अमेरिकी डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर को पार कर गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। भारत से सेनेगल को निर्यात की जाने वाली प्रमुख वस्तुओं में कपड़ा, खाद्य पदार्थ, ऑटोमोबाइल और दवा शामिल हैं। सेनेगल से आयात की जाने वाली मुख्य वस्तुएं फॉस्फोरिक एसिड और कच्चा काजू हैं।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 600 अरब डॉलर के पार

मुंबई । देश का विदेशी मुद्रा भंडार 27 मई को समाप्त सप्ताह में 3.854 अरब डॉलर बढ़कर 601.363 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों के अनुसार यह वृद्धि विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में हुई बढ़ोतरी के कारण हुई है। इससे पिछले सप्ताह, विदेशी मुद्रा भंडार 4.230 अरब डॉलर बढ़कर 597.509 अरब डॉलर हो गया था । रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि का कारण फॉरेन करेंसी एसेट यानी एफसीए में वृद्धि होना है जो कुल मुद्रा भंडार का एक महत्वपूर्ण घटक है। आंकड़ों के अनुसार फॉरेन करेंसी एसेट (एफसीए) 3.61 अरब डॉलर बढ़कर 536.988 अरब डॉलर हो गई। डॉलर में अभिव्यक्त विदेशी मुद्रा भंडार में रखे जाने वाली एफसीए में यूरो, पौंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में मूल्यवृद्धि अथवा मूल्यह्रास के प्रभावों को शामिल किया जाता है। आंकड़ों के अनुसार इस सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य भी 9.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 40.917 अरब डॉलर हो गया। इसके पिछले सप्ताह में भी गोल्ड रिजर्व का मूल्य बढ़ा था तब यह 25.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 40.823 अरब डॉलर हो गया। समीक्षाधीन सप्ताह में, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास जमा विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 13.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.438 अरब डॉलर हो गया। आईएमएफ में रखे देश का मुद्रा भंडार 1.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 5.019 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट रही

सेंसेक्स 48.88 अंक की गिरावट के साथ 55,769 पर बंद

- निफ्टी 43.70 अंक गिरावट के साथ 16,584 पर बंद

मुंबई ।
बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव के बीच शुक्रवार को कारोबार समाप्त होने से ठीक पहले बिकवाली होने से बीएसई सेंसेक्स 49 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ। बीते सप्ताह पांच कारोबारी दिनों में शेयर बाजार में गिरावट दर्ज की गई। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों का सूचकांक सेंसेक्स 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 693.56 अंक चढ़कर 55,578.22 अंक पर खुला और 1,041.08 अंक चढ़कर 55,925.74 पर बंद हुआ। वहीं व्यापक एनएसई निफ्टी 213.75 अंक बढ़कर 16,566.20 पर खुला और 308.95 अंक के लाभ के साथ 16,661.40 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 406.66 अंक की गिरावट के साथ 55,519.08 पर खुला और 359.33 अंक गिरकर 55,566.41 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 119.4 अंक गिरकर 16,542 पर खुला और 76.85 अंक की गिरावट के साथ 16,584.55 पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स पिछले कारोबारी दिवस के मुकाबले 64.36 अंक के नुकसान के साथ 55,502.05 पर खुला और 185.24 अंक की गिरावट के साथ 55,381.17 पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी भी 2.20 अंक की मामूली बढ़त के साथ 16,586.75 पर खुला और 61.80 अंक की गिरावट के साथ 16,522.75 पर बंद हुआ। गुरुवार को शुरुआती कारोबार में 246.06 अंक की गिरावट के साथ 55,135.11 पर खुला और 436.94 अंक उछलकर 55,818.11 पर बंद हुआ। एनएसई का निफ्टी भी 79.7 अंक कमजोर होकर 16,443.05 पर खुला और 105.25 अंक की बढ़त के साथ 16,628 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 565.66 अंक बढ़कर 56,383.77 पर खुला और 48.88 अंक की गिरावट के साथ 55,769.23 पर बंद हुआ। वहीं व्यापक एनएसई निफ्टी 159.85 अंक चढ़कर 16,787.85 पर खुला और 43.70 अंक गिरावट के साथ 16,584.30 पर बंद हुआ।

क्रिप्टोकरेंसी माइनिंग संबंधी विधेयक न्यूयार्क सीनेट में पारित

अल्बानी । अमेरिका में न्यूयार्क प्रांत की सीनेट ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए क्रिप्टोकरेंसी माइनिंग के प्रसार को थामने के लिए एक विधेयक पारित किया है। इस विधेयक को मंजूरी दी गई। जिस पद्धति से बिटक्वाइन और अन्य क्रिप्टोकरेंसी बनाई जाती है तथा लेनदेन में शामिल नई क्वाइन का जिस पद्धति से सत्यापन किया जाता है उसे माइनिंग के रूप में जाना जाता है। विधेयक ऊर्जा की अधिक खपत वाली प्रूफ ऑफ माइनिंग क्रिप्टोमाइनिंग के लिए उपयोग किए जाने वाले जीवाश्म ईंधन विद्युत संयंत्रों के वास्ते दो साल की रोक लगाएगा। प्रूफ ऑफ माइनिंग ब्लॉकेचन आधारित गणना-पद्धति है जिसका इस्तेमाल बिटक्वाइन और कुछ अन्य क्रिप्टोकरेंसी करती हैं। क्रिप्टोकरेंसी उद्योग के समर्थकों ने कहा कि जीवाश्म ईंधन दहन करने वाले विद्युत संयंत्रों को निशाना बनाने वाला यह उपाय न्यूयार्क के आर्थिक विकास को प्रभावित करेगा।

चाय निर्यात एक अरब डॉलर पहुंचने की उम्मीद

कोलकाता । भारतीय चाय उद्योग के अगले दो-तीन साल में एक अरब डॉलर का निर्यात लक्ष्य हासिल करने की संभावना है जिसके लिए केंद्र की मदद की भी जरूरत होगी। भारतीय चाय निर्यातक संघ के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि चाय की पैदावार के लिए अंतरराष्ट्रीय एमआरएल कानूनों को तर्कसंगत बनाने के लिए केंद्र की मदद की जरूरत होगी। एमआरएल का आशय खाद्य उत्पादों की फसल पर इस्तेमाल किए गए कीटनाशकों की तैयार उत्पाद में बची रह गई मात्रा से है। चाय के निर्यात के लिए एमआरएल की कम मात्रा होना जरूरी है। कनोड़िया ने कहा कि विदेशी बाजारों के लिए उगाई गई चाय का आयातक देशों के मानकों के अनुरूप होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि यह ध्यान रखना जरूरी है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय चाय की गुणवत्ता बनी रहे और दुनिया भर में हमारी चाय को लोग पसंद करें। भारत ने साल 2021 में 19.59 करोड़ किलोग्राम चाय का निर्यात किया था। भारत से चाय खरीदने वाले देशों में रूस और ईरान जैसे देश शामिल हैं।

कोरोना के कमजोर होते ही निर्यात में आया उछाल, आयात बढ़ने से व्यापार घाटे में भी हुई तेज वृद्धि

नई दिल्ली ।
महामारी कोरोना ने कारोबारी दुनिया को थाम कर रख दिया था लेकिन जब इसका वायरस कमजोर पड़ा तो एक बार फिर व्यापारिक गतिविधियों में इजाफा होने लगा है। देश का वस्तुओं का निर्यात मई में 15.46 प्रतिशत बढ़कर 37.29 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वाणिज्य मंत्रालय ने आंकड़े जारी कर इसकी जानकारी दी। मुख्य रूप से पेट्रोलियम उत्पाद (52.71 फीसदी), इलेक्ट्रॉनिक्स सामान (41.46 फीसदी) और टेक्सटाइल क्षेत्र (22.94 फीसदी) का प्रदर्शन अच्छा रहने से निर्यात बढ़ा है। गौरतलब है कि मई 2021 में व्यापार घाटा 6.53 अरब डॉलर रहा था। मई में आयात 56.14 प्रतिशत बढ़कर 60.62 अरब डॉलर रहा है। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा, देश का वस्तुओं का निर्यात अप्रैल-मई, 2022-23 में 22.26 फीसदी बढ़कर 77.08 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इससे पिछले वित्त वर्ष के पहले दो माह में निर्यात का आंकड़ा 63.05 अरब डॉलर रहा था। मई 2022 में पेट्रोलियम और कच्चे तेल का आयात 91.6 प्रतिशत उछलकर 18.14 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इस दौरान कोयला, कोक और ब्रिकेट्स का आयात बढ़कर 5.33 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले साल के समान महीने में दो अरब डॉलर रहा था। समीक्षाधीन महीने में सोने का आयात बढ़कर 5.82 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो मई 2021 में 6717 करोड़ डॉलर रहा था। इस दौरान व्यापार घाटा भी बढ़कर 23.33 अरब डॉलर पर पहुंच गया। पिछले साल मई के महीने में व्यापार घाटा 6.52 अरब डॉलर था। इसका एक कारण यह था कि कोरोना वायरस महामारी के कारण भारत ने दूसरे देशों से आयात कम किया था। जारी वित्त वर्ष के पहले 2 महीनों में भारत का निर्यात 22.26 फीसदी बढ़कर 77.08 अरब डॉलर रहा। वहीं। आयात 42.35 फीसदी बढ़कर 120.81 अरब डॉलर पहुंच गया। इस साल मई में गैर-पेट्रोलियम उत्पादों का आयात 44.7 फीसदी बढ़कर 42.48 अरब डॉलर हो गया था। यह पिछले साल मई में 29.36 अरब डॉलर था। वहीं, तेल, गोल्ड, सिल्वर और बहुमूल्य मेटल के अलावा अन्य उत्पादों के आयात में 27.2 फीसदी का उछाल देखने को मिला। बीते महीने इनका आयात 33.61 अरब डॉलर पर रहा। एक रिपोर्ट के अनुसार, सरकार और इंडस्ट्री से जुड़े अधिकारियों ने भारत से गेहूं निर्यात किए जाने की जानकारी दी है। भारत बांग्लादेश, फिलीपिंस, तंजानिया और मलेशिया को 4,69,202 टन गेहूं भेजेगा। गेहूं व्यापार से जुड़े लोगों का कहना है कि लगभग 17 लाख टन गेहूं बंदरगाहों पर पड़ा है। भारत में मानसून सीजन शुरू होने वाला है। मानसून की बारिश से इस गेहूं के खराब होने का खतरा बढ़ गया है।

अडानी समूह ने खरीदा एस्सार पावर का ट्रांस मिशन कारोबार

नई दिल्ली । अडानी ग्रुप ने एक और बड़ी डील की है। अडानी ग्रुप मध्य भारत में एस्सार पावर का ट्रांसमिशन कारोबार खरीदने पर सहमत हुआ है। अडानी ग्रुप 1913 करोड़ रुपए में इस सौदे पर सहमत हुआ है। इस सौदे से अडानी ग्रुप की मध्य भारत में उपस्थिति मजबूत होगी। जबकि यह सौदा एस्सार ग्रुप के पावर ट्रांसमिशन कारोबार से बहार निकलने का प्रतीक होगी। एस्सार पावर लिमिटेड अपनी दो पावर ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट में से एक अडाणी ट्रांसमिशन लिमिटेड को बेचने पर सहमत हो गई है। यह बिक्री कंपनी की ऋण चुकाने की रणनीति का एक हिस्सा है। एस्सार ने पिछले तीन वर्षों में बैंकों और वित्तीय संस्थानों को 1.8 लाख करोड़ रुपए से अधिक कर्ज चुकाया है। एस्सार पावर ने कहा कि उसने अपने दो पावर ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट में से एक को 1,913 करोड़ रुपए में बेचने के लिए अडाणी ट्रांसमिशन लिमिटेड के साथ एक निश्चित समझौता किया है। एस्सार पावर की इकाई एस्सार पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड की तीन राज्यों में 465 किलोमीटर के पावर ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट हैं। पिछले तीन वर्षों के दौरान एस्सार पावर ने अपने कर्ज को 30,000 करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर से घटाकर 6,000 करोड़ रुपए कर दिया है।

टीवीएस मोटर ने ईवी श्रेणी में अपना दबदबा बरकरार रखने का लक्ष्य रखा

मुंबई । टीवीएस मोटर कंपनी ने उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) जैसी सरकारी पहलों का लाभ उठाकर इलेक्ट्रिक वाहन श्रेणी में 'लगातार अपना दबदबा' बनाये रखने का लक्ष्य रखा है। टीवीएस की वित्त वर्ष 2021-22 के लिए वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी की इलेक्ट्रिक वाहन श्रेणी में अपने स्थान को बढ़ाने की मजबूत योजना है। दोपहिया वाहन विनिर्माता कंपनी ने कहा, 'सरकार की पीएलआई और फेम-दो पहल का कंपनी पूरी तरह से लाभ उठाकर रणनीतिक रूप से इस श्रेणी में एक निरंतर दबदबा रखेगी। टीवीएस ने कहा इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग तेजी से बढ़ने वाला है और कंपनी के पास इस खंड के लिए मजबूत योजनाएं हैं। कंपनी ने कहा कि उसे नए उत्पाद पेश करने और आर्थिक गतिविधियों के एक बार फिर से गति पकड़ने के साथ बिक्री वृद्धि के मामले में उद्योग से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। गौरतलब है कि टीवीएस मोटर ने बीते वित्त वर्ष में दस हजार से अधिक इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री की थी।

राहुल की नेतृत्व क्षमता की परीक्षा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज में होगी

मुबई (एजेंसी)।

नये कप्तान लोकेश राहुल के लिए 9 जून से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली घरेलू सीरीज आसान नहीं रहेगी। इस सीरीज में नियमित कप्तान रोहित शर्मा , अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली , तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मो शमी जैसे खिलाड़ियों को आराम दिया गया है। ऐसे में राहुल को युवा खिलाड़ियों के सहारे दक्षिण अफ्रीकी टीम का मुकाबला करना होगा और इस दौरान उनकी नेतृत्व क्षमता की परीक्षा होगी। राहुल का कप्तानी में पिछला रिकार्ड अब तक अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने इससे पहले दक्षिण अफ्रीका दौरे पर एक टेस्ट और तीन एक अंतराष्ट्रीय मैचों में कप्तानी की थी, जहां भारतीय टीम को सभी मैचों में हार का सामना करना पड़ा था। आईपीएल में भी वह अपनी टीम लखनऊ सुपजायंटस को जीत नहीं दिला पाये।

इससे पहले जब वह आईपीएल में पंजाब किंग्स के कप्तान थे तब भी उनकी टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। आईपीएल में उनकी कप्तानी का रिकार्ड 50 फीसदी रहा है। इसका मतलब टीम आधे मुकाबले हारी हैं। इसे कहीं से भी बेहतर नहीं माना जा सकता। इस बार वह नाकाम रहे तो कप्तानी की दौड़ से बाहर हो जाएंगे। इसका कारण यह है कि ऋषभ पंत, जसप्रीत बुमराह, हार्दिक पंड्या और श्रेयस अय्यर जैसे युवा खिलाड़ी भी कप्तानी की दौड़ में शामिल हैं। आईपीएल के इस 15 वें सत्र में राहुल ने लखनऊ की ओर से जमकर रन बनाये पर उनकी बल्लेबाजी धीमी रही जिसे भी आलोचकों ने टीम की हार का कारण बताया। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने तो यहां तक कहा कि राहुल कप्तानी के योग्य नहीं हैं। भारतीय टीम की बात करें तो टी20 में उसका सफर अब तक शानदार रहा है और उसने लगातार 12 मैच जीते हैं और वह रैंकिंग में शीर्ष पर हैं। ऐसे में राहुल पर जीत का सिलसिला बनाये रखने का दबाव रहेगा।

फ्रेंच ओपन : सिलिच को हराकर कैस्पर रूड पहली बार ग्रैंडस्लैम फाइनल में

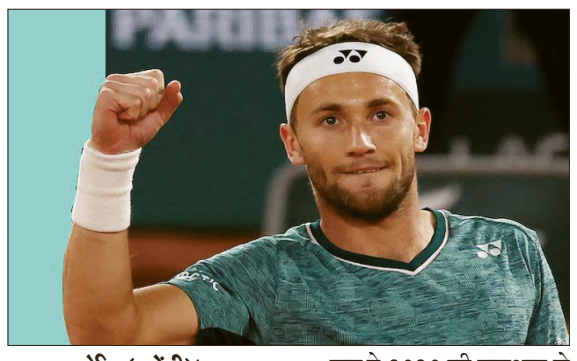

पेरिस (एजेंसी)।

कैस्पर रूड किसी ग्रैंडस्लैम फाइनल में पहुंचने वाले नॉर्वे के पहले खिलाड़ी बन गए जिन्होंने फ्रेंच ओपन सेमीफाइनल में 2014 के अमरीकी ओपन चैम्पियन मारिन सिलिच को 3-6, 6-4, 6-2, 6-2 से हराया। आठवीं वरीयता प्राप्त रूड 23 वर्ष के हैं और अब तक किसी ग्रैंडस्लैम में चौथे दौर से आगे नहीं पहुंचे थे। उनके पिता 1991 से 2001 तक पेशेवर टेनिस खिलाड़ी थे।

रूड ने 2020 की शुरूआत से अब तक क्लेकोर्ट पर 66 मैच और सात खिताब जीते हैं। अब उनके कैरियर की सबसे कठिन चुनौती उनके सामने हैं चूंकि रविवार को फाइनल में 13 बार के फ्रेंच ओपन चैम्पियन रफेल नडाल से सामना होगा। रूड स्पेन में नडाल की टेनिस अकादमी में ही अभ्यास करते हैं और उन्हें अपना आदर्श मानते हैं। रूड और सिलिच के बीच सेमीफाइनल मैच दस मिनट तक बाधित रहा था जब तीसरे सेट में एक पर्यावरण कार्यकर्ता कोर्ट पर घुस आया था।

विश्व कप क्वालीफायर्स : नेपाल की टीम 8 रन पर ऑल आऊट

बंगी (मलेशिया) (एजेंसी)।

नेपाल की युवा महिलाओं की टीम आईसीसी अंडर-19 महिला विश्व कप क्वालीफायर के मैच में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ मैच में 8 रन पर आऊट हो गई। पहली बार आयोजित हो रहे अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप क्वालीफायर में नेपाल, यूएई, थाईलैंड, भूटान और कतर की टीमें भाग ले रही हैं। 5 देशों की इस प्रतियोगिता को जीतने वाली टीम 2023 की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले पहले अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेगी।

नेपाल की टीम ने पिछले मैच में कतर की पारी को 38 रन पर समेटने के बाद मुकाबला 79 रन से जीता था। टीम को हालांकि शनिवार को करारा झटका लगा। यह मैच एक घंटे तक भी नहीं चला और महज 9.2 ओवर के खेल के में इसका परिणाम निकल गया। दोनों टीम में से कोई भी खिलाड़ी दहाई के आंकड़े में रन नहीं बना सका। यूएई की तीर्थ सतीश ने सबसे ज्यादा नाबाद चार रन बनाए। नेपाल की छह बल्लेबाज खाता खोलने में नाकाम रहीं जबकि स्नेहा माहरा ने 10 गेंद में सबसे ज्यादा तीन रन का योगदान दिया। मनीषा राणा ने दो रन बनाये जबकि तीन बल्लेबाजों ने एक-एक रन बनाए। यूएई के लिए गेंदबाजी का आगाज करने वाली माहिका गौड़ ने 4 ओवर में 2 मेडन के साथ 2 रन देकर 5 विकेट चटकाए। नई गेंद से उनकी जोड़ीदार इंदुजा नंदकुमार ने 4 ओवर में 6 रन देकर तीन विकेट लिए। नेपाल की पारी 8.1 ओवर में सिमट गई तो वही यूएई ने सात गेंद में लक्ष्य हासिल कर लिया। आईसीसी एसोसिएट सदस्य देशों के बीच जूनियर स्तर पर महिलाओं के खेल को बढ़ावा देने की कोशिश कर रही हैं। नेपाल में खिलाडियों के पास बेहतर पिच की सुविधा नहीं हैं, फिर भी टीम इस निराशाजनक प्रदर्शन से पहले एक मैच जीतने में कामयाब रही, जिसका उन्हें श्रेय मिलना चाहिये।

दिल्ली कैपिटल्स का आईपीएल फाइनल में नहीं पहुंचना निराशाजनक: मिशेल मार्श

कोलंबो। (एजेंसी)।

दिल्ली कैपिटल्स के हरफनमौला खिलाड़ी मिशेल मार्श ने कहा कि खिताब की दौड़ से बाहर हो चुकी मुंबई इंडियन्स के खिलाफ उनकी टीम का हार का सामना कर फाइनल में जगह बनाने के मौके से चूकना निराशाजनक था। इस मैच में दिल्ली कैपिटल्स की पांच विकेट की हार से रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम प्लेऑफ का टिकट कटाने में सफल रही। श्रीलंका के खिलाफ सात जून से शुरू हो रही तीन मैचों की टी20 श्रृंखला से पहले इस 30 वर्षीय हरफनमौला ने यहां कहा, '' यह निराशाजनक है कि हम (आईपीएल) फाइनल में नहीं पहुंच सके।'' मार्श टूर्नामेंट के शुरूआती चरण में कोरोना वायरस से संक्रमित हो गये थे लेकिन उन्होंने शानदार वापसी की और ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथी डेविड वार्नर के साथ दिल्ली के शीर्ष क्रम को मजबूती दी कोच रिकी पोंटिंग ने उन्हें तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी का जिम्मा सौंपा। उन्होंने 132.80 के स्ट्राइक रेट से 251 रन बना कर कोच के फैसले को सही साबित किया। मार्श ने कहा, '' आईपीएल के दौरान मुझे इस बात का एहसास हुआ कि पोंटिंग अपने खिलाड़ियों की कितनी परवाह करते है। मुझे लगता है कि वह शायद एक कप्तान और एक टीम के नेतृत्वकर्ता की तरह थे।

ओलिम्पिक पदक चूकने का मलाल विश्व कप में दूर करने उतरेंगे: सविता देवी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

ओलिम्पिक में इतने करीब पहुंचकर पदक चूकने का मलाल आज भी हमें कचोटता है और हर पल अहसास दिलाता है कि देश के लिए पदक जीतने का हमारा मिशन अभी अधूरा है और उससे पहले हमें चैन नहीं लेना है लिहाजा विश्व कप में हम एक बार फिर जान लगा देंगे, यह कहना है भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता का। भारतीय महिला टीम ने पिछले साल टोक्यो ओलिम्पिक में चौथे स्थान पर रहकर इतिहास रच दिया था जबकि पुरूष टीम ने 41 साल बाद कांस्य पदक जीता। अब भारतीय महिला टीम एक जुलाई से नीदरलैंड और स्पेन में विश्व कप में खेलेगी जबकि उससे पहले एफआईएच प्रो लीग में बेल्जियम, अर्जेंटीना, नीदरलैंड और अमेरिका का सामना करना है। टोक्यो ओलिम्पिक में भारत के बेहतरीन प्रदर्शन के सूत्रधारों में से एक रही गोलकीपर सविता ने भाषा को दिए इंटरव्यू में कहा- टोक्यो में हमारे प्रदर्शन के बाद सभी ने कहा कि हमने दिल जीता लेकिन पदक तो पदक ही होता है और उसे नहीं जीत पाने की कमी कचोटती है। इतने पास आकर पदक चूकने का मलाल हमसे बेहतर कौन समझ सकता है। रियो ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता ब्रिटेन से कांस्य पदक का मुकाबला 3-4 से हारने के बाद भारतीय महिला टीम के आंसू नहीं थम रहे थे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फोन पर उन्हें ढांढस भी बंधाया।

मैं रिकॉर्ड के पीछे नहीं दौड़ता, रिकॉर्ड मेरे पीछे दौड़ते हैं : रोनाल्डो

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर यूनाइटेड के स्टार फॉरवर्ड क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने दावा किया है कि रिकॉर्ड हर जगह उनका पीछा करते हैं और उन्होंने कहा कि वह मील के पत्थर का पीछा नहीं करते हैं। रोनाल्डो ने निराशाजनक सीजन में भी 24 गोल किए हैं।

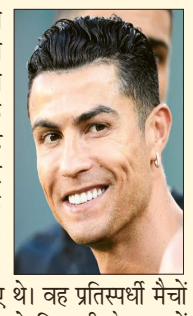

इसके अलावा उनके नाम पर विभिन्न व्यक्तिगत पुरस्कार भी रहे। क्रिस्टियानो ने यूनाइटेड की आधिकारिक वेबसाइट को बताया कि मुझे प्रशंसकों से कहना है कि वे अद्भुत हैं। यहां तक कि जब आप खेल हार जाते हैं तब भी वह आपके समर्थन में रहते हैं। वह हमेशा हमारे साथ होते हैं। मैनचैस्टर यूनाइटेड से जुड़ने के बाद रोनाल्डो ने कई व्यक्तिगत रिकॉर्ड बनाए हैं। वह पुर्तगाल के लिए 115 गोल कर चुके हैं। उन्होंने दिसंबर में ही अपने 800 गोल पूरे किए थे। वह प्रतिस्पर्धी मैचों में फीफा के सर्वकालिक रिकॉर्ड गोल करने वाले खिलाड़ी के रूप में जोसेफ बीकन को पीछे छोड़ चुके हैं। 37 वर्षीय रोनाल्डो ने अपनी उपलब्धियों पर कहा- रिकॉर्ड स्वाभाविक रूप से आ रहे हैं। मैं रिकॉर्ड का पालन नहीं करता, लेकिन रिकॉर्ड मेरा अनुसरण करते हैं इसलिए यह अच्छा है। यह अभी भी मेरी प्रेरणा है कि मैं कड़ी मेहनत करता रहूं। निश्चित रूप से मैनचेस्टर और मेरे साथी मेरी हर तरह से मदद करते हैं इसलिए मुझे उन सभी लोगों की सराहना करनी चाहिए जो क्रिस्टियानो की मदद करते हैं। गोल करना हमेशा अच्छा होता है।

फ्रेंच ओपन फाइनल हारना चाहते हैं नडाल !

पेरिस । स्पेन के टेनिस स्टार राफेल नडाल ने कहा है कि वह खिताबी मुकाबले में हारना चाहते हैं। यह एक अजीब बात तो है पर सच यही है। एक रिपोर्ट के अनुसार नडाल को बाएं पैर की पुरानी चोट के कारण इस टूर्नामेंट में काफी दर्द के बीच भी झेलना पड़ा है। इससे परेशान नडाल ने कहा, 'अगर उन्हें नये पैर के बदले हार भी मिलती है तो वह इसके लिए तैयार हैं और बेशक हारना पसंद करेंगे।' नडाल रिकार्ड 14वीं बार फ्रेंच ओपन के फाइनल में पहुंचे हैं। उन्होंने कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि मैं फाइनल हारना पसंद करूंगा क्योंकि एक नए पैर से मुझे जीवन में हर दिन खुश रहने का अवसर मिलेगा।

36 साल के नडाल को रविवार को होने वाले खिताबी मुकाबले में नॉर्वे के कैस्पर रूड का सामना करना है। नडाल ने कहा, 'जीत अच्छी है पर जीवन किसी भी खिताब से कहीं ज्यादा महत्व रखता है। आने वाले समय में सेहतमंद जीवन जीने के लिए उन्हें पैर की चोट से जल्दी उबरना होगा। इस स्पेनिश खिलाड़ी ने कहा, 'मेरे आगे जीवन है। मैं आने वाले समय में अपने दोस्तों के साथ खेलना पसंद करूंगा। मेरी खुशी किसी भी खिताब से बढ़कर है।'

टी20 विश्व कप में रहेंगी कार्तिक, उमरान और अर्शदीप पर नजरें

मुंबई (एजेंसी)।

लोकेश राहुल की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 9 जून से होने वाली टी-20 क्रिकेट सीरीज में भारतीय टीम के अधिकतर खिलाड़ी युवा है पर इसके बाद भी टीम को कमजोर नहीं कहा जा सकता। इस सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल तीन खिलाड़ियों अर्शदीप सिंह, उमरान मलिक और दिनेश कार्तिक पर सबकी नजरें रहेंगी। दोनो तेज गेंदबाजों उमरान ओर अर्शदीप ने आईपीएल के 15 वें सत्र में शानदार गेंदबाजी की थी। अब इन दोनो का लक्ष्य भारतीय टीम की ओर से बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। वहीं अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज कार्तिक को इस सीरीज से वापसी का अवसर मिला है जिसका वह पूरा लाभ उठाना चाहेंगे।

उमरान मलिक : जम्मू-कश्मीर के इस युवा

गेंदबाज ने अपनी रफ्तार से आईपीएल में सभी को प्रभावित किया। इसी के कारण उन्हें भारतीय टीम में भी जगह मिली। अब इस गेंदबाज का लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन कर टी20 विश्वकप के लिए टीम में जगह बनान रहेगा।

अर्शदीप सिंह : पंजाब के इस तेज गेंजबाज ने अपनी सटीक गेंदबाजी से सबका ध्यान खींच है। विशेष रुप से डेथ ओवरों में उनकी गेंदबाजी बेहद प्रभावी रही है। उसने आईपीएल में कई दिग्गज बल्लेबाजों पर अंकुश लगाकर अपनी क्षमताएं साबित की हैं। इसी कारण उसे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टीम में भी जगह मिली है। अगर इस सीरीज में अर्शदीप अच्छी गेंदबाजी करते हैं तो वह ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्वक कप के लिए भारतीय टीम में जगह के दावेदार बन जाएगें।

दिनेश कार्तिक: दिनेश कार्तिक को लंबे समय बाद एक बार फिर टीम में जगह मिली है। आईपीएल में दिनेश को 'सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन' का अवॉर्ड दिया गया है। कार्तिक ने इस आईपीएल सत्र में डेथ ओवर्स में भी आक्रामक बल्लेबाजी कर 220 की स्ट्राइक रेट से रन बनाये थे। वह एक अच्छे फिनिशर के तौर पर भी उभरे थे। अब कार्तिक का लक्ष्य इसी लय को बनाये रखना रहेगा।

सेरेना और वीनस विलियम्स का नाम विम्बलडन प्रविष्टि में नहीं

विम्बलडन। अमरीका की सेरेना और वीनस विलियम्स का नाम विम्बलडन एकल वर्ग की प्रविष्टियों की सूची में नहीं है। यह संभव है कि दोनों में से कोई भी 27 जून से शुरू हो रहे इस ग्रैंडस्लैम में वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रवेश का अनुरोध कर सकतीं हैं। सेरेना ने ओपन युग में रिकॉर्ड 23 एकल खिताब में से सात आल इंग्लैंड क्लब पर जीते हैं और आखिरी बार वह 2016 में चैम्पियन रही थी। वह 2018 और 2019 में उपविजेता रहने के बाद दाहिने पैर की चोट के कारण आगे नहीं खेलीं। वीनस ने 5 बार विम्बलडन खिताब जीता है और कुल 7 ग्रैंडस्लैम अपने नाम किए हैं। वह दो सप्ताह बाद 42 वर्ष की हो जाएंगी। अमेरिका ओपन 2021 उपविजेता कनाडा की लैला फर्नांडिज भी चोट के कारण बाहर हैं।

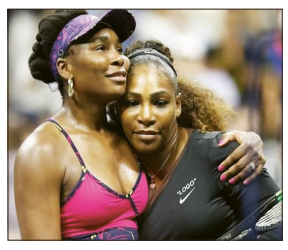

फीफा भारत पर प्रतिबंध लगाता है तो होगा नुकसान: छेत्री

कोलकाता। भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने कहा है कि अगर फीफा भारत पर प्रतिबंध लगाता है तो यह हमारे लिए नुकसानदेह होगा। छेत्री ने कहा कि वह भी अपने करियर के अंतिम दौर में हैं , ऐसे में वह उम्मीद कर रहे हैं कि किसी भी प्रकार का प्रतिबंध न लगे। छेत्री 37 साल के हो गये हैं और वह कई मौकों पर कह चुके हैं कि उनका करियर जल्द ही समाप्त होने जा रहा है। उन्होंने कहा, 'प्रतिबंध हमेशा ही नुकसानदायक होता है और ऐसा केवल देश के लिए ही नहीं बल्कि मेरे लिए भी होगा। क्योंकि मैं अब अपने अंतिम दौर के मुकाबले खेल रहा हूं। ऐसे में नहीं पता है कि कब आपका अंतिम मैच आ जाए।' उन्होंने कहा कि हां, जब प्रतिबंध की आशंका वाली वाते सामने आई तो मैं डर गया थ पर बाद में पता चला कि हालात उतने भी खराब नहीं है ओर इस मामले के ठीक होने की संभावनाएं बनी हुई हैं। गौरतबह है कि उच्चतम न्यायालय ने 18 मई को प्रफुल्ल पटेल को ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआईएफएफ) अध्यक्ष पद से हटा दिया था , क्योंकि उन्होंने अपना कार्यकाल बढ़ा दिया था जबकि एआईएफएफ में उनका तीसरा कार्यकाल दिसंबर 2020 में समाप्त होना था। वहीं उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद यह कहा जाने लगा कि इससे फीफा भारत पर प्रतिबंध लगा सकता है और भारत से अक्टूबर में अंडर-17 महिला विश्व कप की मेजबानी तक वापस ली जा सकती है पर अब कहा जा रहा है कि फीफा और एएफसी की संयुक्त टीम हालातों को समझने के लिए भारत का दौरा करेगी।

फ्रांस ने छह भारतीय खिलाड़ियों को नहीं दिया पैरा निशानेबाजी विश्वकप के लिए वीजा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

वीजा नहीं मिलने के कारण पैरालम्पिक पदक विजेता सिंहराज अधाना सहित छह भारतीय निशानेबाज फ्रांस में होने वाले पैरा निशानेबाजी विश्वकप में भाग नहीं ले पायेंगे। इन निशानेबाजों के दल को भारत सरकार के हस्तक्षेप के बाद भी वीजा नहीं मिला। इससे निराश होकर टोक्यो पैरालम्पिक की स्वर्ण पदक विजेता अवनि लेखरा ने एक ट्वीट किया जिससे यह मामला सबके सामने आया है। बाद यह मामला प्रकाश में आया. अवनि ने अपनी मां श्वेता जेवारिया और कोच राकेश मनपत को वीजा दिलाने के लिए सरकार से सहायता मांगी थी। वहीं भारतीय पैरा निशानेबाजी संघ के चेयरमैन जय प्रकाश नौटियाल ने कहा कि अवनि और उनके कोच को वीजा मिल गया है.

पर अवनि की मां को वीजा नहीं मिला है। इसके अलावा तीन पैरा पिस्टल निशानेबाजों सिंहराज, राहुल झाखड़ और दीपिंदर सिंह के अलावा दो कोच सुभाष राणा और विवेक सैनी को भी वीजा नहीं मिला है हालांक फ्रांसीसी दूतावास ने वीजा नहीं देने का कोई कारण नहीं बताया। उन्होंने इतना ही कहा कि वीजा की भारी मांग है। विदेश मंत्रालय ने भी इस मामले में हस्तक्षेप किया। इसके बाद भी 6 सदस्यों को वीजा नहीं मिल पाया। पैरा निशानेबाजी विश्वकप 4 से 13 जून तक होगा। इससे पेरिस पैरालम्पिक के लिए कोटा भी मिलेगा इसलिए यह अहम स्पर्धा मानी जा रही है।

स्वप्निल कुसाले और आशी चौकसी ने 50 मीटर राइफल 3पी मिश्रित में जीता गोल्ड

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

स्वप्निल कुसाले और आशी चौकसी ने अजरबैजान के बाकू आयोजित आईएसएसएफ विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन के 50 मीटर राइफल 'थ्री पोजीशन (3पी)' मिश्रित टीम प्रतियोगिता में शनिवार को स्वर्ण पदक जीत लिया। इससे भारतीय टीम का अभियान पदक तालिका में दूसरे स्थान के साथ खत्म हुआ। स्वप्निल और आशी की जोड़ी ने यूक्रेन के सेरही कुलिश और डारिया टाइखोवा की जोड़ी को 16-12 से हराया।

यह टूर्नामेंट में भारत का दूसरा स्वर्ण पदक है। इससे पहले इलावेनिल वलारिवन, श्रेया अग्रवाल और रमिता की तिकड़ी ने 10 मीटर एयर राइफल महिला टीम स्पर्धा में पीला तमगा हासिल किया था। भारतीय निशानेबाजों ने इसके अलावा टूर्नामेंट में तीन रजत पदक भी हासिल किए। जिससे टीम कोरिया के बाद पदक तालिका में दूसरे स्थान पर रही। बाकू विश्व कप में यह स्वप्निल का पहला स्वर्ण और कुल तीसरा पदक था। उन्होंने इससे पहले पुरुषों की '3पी' व्यक्तिगत और पुरुष टीम दोनों प्रतियोगिताओं में रजत पदक हासिल किया था।

स्पर्धा के क्वालीफिकेशन के पहले चरण में स्वप्निल और आशी ने 900 में से 881 का स्कोर बनाया और 31 टीमें के प्रतियोगिता में चौथे स्थान पर रहते हुए दूसरे चरण के लिए क्वालीफाई किया। फाइनल में, यूक्रेन ने मजबूत शुरुआत की और पहली चार एकल-शॉट श्रृंखला के बाद 6-2 की बढ़त बना ली। लेकिन भारतीय जोड़ी ने शानदार वापसी करते हुए अगली आठ सीरीज में से छह जीतकर स्कोर को 14-10 से अपने पक्ष में कर लिया।

सेरही और डारिया की जोड़ी ने इसके बाद दो अंक हासिल किया लेकिन यह जीत के लिए काफी नहीं था। इस साल यह भारत का दूसरा आईएसएसएफ राइफल/पिस्टल विश्व कप था। भारतीय निशानेबाजों ने साल की शुरुआत में काहिरा में आयोजित पहले विश्व कप चरण में शीर्ष स्थान हासिल किया था। इसके बाद अप्रैल में रियो विश्व कप में राइफल और पिस्टल टीमों ने भाग नहीं लिया था।

हार्दिक को आयरलैंड दौरे में कप्तानी दिये जाने के पक्ष में हैं दिग्गज

मुम्बई । आईपीएल में गुजरात टाइटंस की जीत के बाद से ही हार्दिक पांड्या भी भारतीय टीम में कप्तानी के प्रबल दावेदार के तौर पर उभरे हैं। कई दिग्गज क्रिकेटरों का मानना है कि आने वाले समय में कप्तान के तौर पर वह बेहतर विकल्प साबित होंगे। पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर सहित कई दिग्गज खिलाड़ियों का मानना है कि हार्दिक को कप्तानी की अच्छी समझ है। आईपीएल में अपनी अच्छी बल्लेबाजी के साथ ही उन्होंने वापसी करते हुए बेहतरीन गेंदबाजी की थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सोना सूख गया

चीन में हुनसेन नाम का राजा शासन करता था। वह बहुत कंजूस था। दान-पुण्य तो दूर, जनता की जरूरतें पूरी करने के लिए भी धन नहीं निकालता था। उसके पास सोने-चांदी का अपार भंडार था, लेकिन वह किसी की मदद नहीं करता था। राजा के महल से कुछ दूरी पर सिनचिन नामक एक वृद्ध की छोटी-सी झोंपड़ी थी। सिनचिन उस समय चीन का सबसे बुद्धिमान व्यक्ति माना जाता था। राजा की आदतों से वह भी परेशान था। अतः उसने राजा को सबक सिखाने की ठान ली।

एक दिन वह अपने मित्रों से सोने के नन्हे-नन्हे चार टुकड़े उधार लाया। उसने सोने के उन टुकड़ों को पीली चमकती हुई एक बड़ी छलनी में रखा और पास बहती नदी के किनारे जा बैठा। इस नदी पर राजा रोज स्नान करने आता था। सिनचिन ने दूर से ही राजा को आते हुए देखा। वह ऐसा अभिनय करने लगा, मानो छलनी में कुछ छान रहा हो। राजा ने उसके पास आकर पूछा, ‘‘सिनचिन, यह क्या कर रहे हो? तुम्हें सुबह-सुबह रेत छानने की क्या आवश्यकता पड़ गई?
सिनचिन ने कहा, महाराज, मैं तो इस रेत में छिपा सोना ढूंढ़ रहा हूं।’’
राजा कुछ कहता, इससे पहले ही सिनचिन ने छलनी भर रेत निकाली और छान दी। छलनी के ऊपर सोने के चार छोटे-छोटे टुकड़े चमक रहे थे।
राजा ने आश्चर्य से पूछा, ‘‘रेत में सोना! यह कैसे किया?
सिनचिन ने समझाते हुए जवाब दिया, ‘‘हुजूर, आज से महीना भर पहले मैंने सोने का एक छोटा सा टुकड़ा इस जगह पर बोया था। देखिए हुजूर, पूरे चार टुकड़े निकले हैं। यदि मैं कुछ और सब्र करता, तो यहां बहुत से टुकड़े मिलते।
राजा ने चौंकते हुए कहा, ‘‘क्या बकवास करते हो? भला क्या सोने की भी खेती की जा सकती है?
सिनचिन ने कहा, क्यों नहीं हुजूर? आप खुद ही देख लीजिए। मैं तो गरीब आदमी हूं। पिछले दस वर्षों से इसी प्रकार सोना बोता हूं और काट लेता हूं। इसी सोने से मेरा पेट पलता है।
राजा ने नाराजगी भरे स्वर में कहा, तुमने मुझे पहले क्यों नहीं बताया? मेरे पास तो सोने का ढेर है। मुझे पता होता, तो मैं सारा सोना बो देता। आज तक तो मेरा महल सोने से भर गया होता।
इस पर सिनचिन ने कहा, हुजूर, अब भी देर नहीं हुई है। आप अब भी बो लीजिए। छह महीने बाद देखिएगा, तो फसल लहलहाती नजर आएगी।
राजा ने सिनचिन के कंधे पर हाथ रखते हुए जवाब दिया, देखो सिनचिन, तुम तो एक अनुभवी आदमी हो। मेरी ओर से तुम सोने की खेती करो। इसके लिए तुम्हें जितना सोना चाहिए, तुम ले सकते हो। आज ही मेरे साथ महल में चलो। इस काम के लिए तो तुम मेरे सेवकों को भी साथ ले सकते हो।
सिनचिन तो मानो इस मौके की प्रतीक्षा में था। वह तुरंत राजी हो गया। वह महल में गया और सोने के ढेरों टुकड़े ले आया। राजा ने अपने दस सेवक भी सिनचिन को मदद के लिए दे दिए।
देखते ही देखते, नदी के किनारे खुदाई का काम शुरू हो गया। सिनचिन के कहे अनुसार, सेवकों ने वहां पर सोना बीज की तरह बो दिया। ऊपर रेत डाल दी। सिनचिन ने राजा को आश्वासन दिया कि छह महीने बाद बोए हुए सोने का तीन गुना सोना मिल जाएगा।
इस बीच सिनचिन रोज रात को नदी किनारे जाने लगा। वहां पर वह रोज थोड़ा सा हिस्सा खोदता और वहां दबा सोना अपने झोले में रख लाता। अगले दिन सुबह ही वह सारा सोना गरीबों में बांट देता था। धीरे-धीरे जनता की गरीबी मिटने लगी।
इधर राजा इंतजार करता रहा कि कब छह महीने पूरे हों और उसे बोए हुए सोने का तीन गुना सोना मिले। धीरे-धीरे छह महीने भी पूरे हो गए। राजा ने सिनचिन को दरबार में बुलाया। उसे आदेश दिया कि वह सारा सोना खोद लाए। सिनचिन ने इस काम के लिए कुछ सेवकों की मांग की। राजा ने इस बार बीस सेवक उसके साथ कर दिए। सेवकों ने उस स्थान पर काफी गहराई तक खुदाई की, रेत को छाना। लेकिन सभी यह देखकर आश्चर्य में पड़ गए कि उसमें सिवाय दो-चार सोने के टुकड़ों के कुछ नहीं था। सिनचिन भागा-भागा राजा के पास पहुंचा। रोते हुए बोला, हुजूर, आपकी किस्मत खराब थी। जमीन में सोने के दो-चार सूखे हुए टुकड़ों के अतिरिक्त कुछ भी नहीं निकला है।
राजा ने आश्चर्य से पूछा, ‘‘सूखे हुए टुकड़े! तुम्हारा मतलब क्या है? सिनचिन ने जवाब दिया, हां हुजूर, इस बार सारा सोना सूख गया है। आप तो जानते ही हैं, इस बार बारिश बिल्कुल नहीं हुई। सारी फसल सूख गई। आपका बहुत नुकसान हो गया इस बार।
हुनसेन ने डांटते हुए पूछा, भला सोना सूख कैसे सकता है? यह तो ठोस चीज है।
सिनचिन ने मुसकराते हुए कहा, हुजूर, आपने इतनी बातों पर विश्वास कर लिया कि सोना बोया जा सकता है, सोने की फसल लहलहा सकती है, सोना काटा जा सकता है। फिर भला इतनी सी बात पर विश्वास क्यों नहीं करते कि सोना सूख गया?
राजा निरुत्तर हो गया। मंत्रियों से सलाह ली, तो उन्होंने कहा, सिनचिन ठीक कहता है। वाकई यदि सोना बोया जा सकता है, तो सूख भी सकता है। अब तो राजा से कुछ कहते नहीं बना। वह सिर पकड़कर बैठ गया। सिनचिन ने कंजूस राजा को अच्छा सबक सिखा दिया था।

अंतरराष्ट्रीय शोध टीम ने खोजी कछुए की नई प्रजाति

एक अंतरराष्ट्रीय टीम के साथ मिलकर जर्मनी के सेनकेनबर्ग के वैज्ञानिक यूवे फ्रिट्ज ने आनुवांशिक विश्लेषण के आधार पर कछुए की एक नई प्रजाति के बारे में बताया है। अब तक माना जाता था कि 'जीनस चेलुस' कछुए की केवल एक ही प्रजाति है। अध्ययन में कहा गया है कि उन जानवरों की प्रजातियों के संरक्षण का पुनर्मूल्यांकन किया जाना चाहिए, जिनको अक्सर अवैध पशु व्यापार में बेच दिया जाता है। इस अध्ययन को साइंटिफिक पत्रिका मॉलिक्युलर फाइटोलेनेटिक्स एंड इवोल्यूशन में प्रकाशित किया गया है।

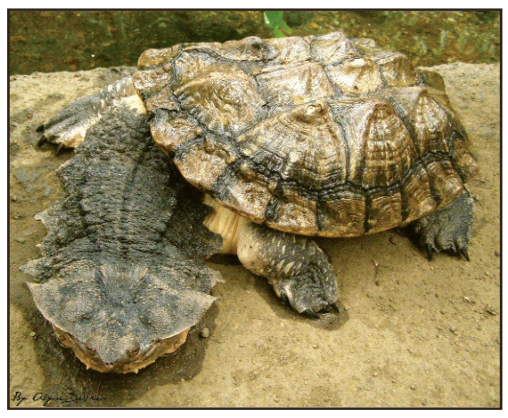

इस प्रजाति का नाम माता-माता बताया गया है, जो पानी के नीचे कीचड़ में छिपे रहते है, इनकी लंबाई 53 सेंटीमीटर तक होती है। ये शैवाल से ढकी चट्टानों की तरह दिखते हैं। लेकिन जब कोई शिकार करने लायक जानवर सामने आता है, तो कछुआ उसे अचानक अपना बड़ा मुंह खोलकर उसे चूसकर पूरा निगल जाता है। ड्रेसडेन में सेनकेनबर्ग प्राकृतिक इतिहास संग्रह के प्रोफेसर डॉ.यूवे फ्रिट्ज बताते हैं यद्यपि ये कछुए अपने विचित्र रूप और असामान्य खाने के व्यवहार के कारण व्यापक रूप से जाने जाते हैं, लेकिन उनकी विविधता और आनुवांशिकी के बारे में बहुत कम जानकारी है। फ्रिट्ज कहते हैं अब हमने यह मान लिया कि इस कवचवाले सरीसृप की केवल एक प्रजाति है जो पूरे दक्षिण अमेरिका में व्यापक रूप से फैली हुई है।
लेकिन ऐसी प्रजातियां, जिन्हें लुप्तप्राय नहीं माना जाता है, वे आश्चर्यजनक हो सकती हैं। आनुवंशिक विश्लेषण के आधार पर, उन्हें अक्सर दो या अधिक स्वतंत्र प्रजातियों में विभाजित किया जाता है। कई अध्ययनों से पता लगा है कि माता-माता कछुए अमेजन बेसिन की तुलना में ओरिनोको नदी में अलग दिखते हैं। ड्रेसडेन के वैज्ञानिक कहते हैं इस अवलोकन के आधार पर, हमने इन जानवरों के जेनेटिक बनावट पर बारीकी से नजर रखने का फैसला किया है।
75 डीएनए नमूनों का उपयोग करते हुए, शोधकर्ताओं ने बताया कि पिछली मान्यताओं के विपरीत, माता-माता कछुओं की आनुवंशिक और दिखने में भी भिन्न-भिन्न दो प्रजातियां हैं। नई प्रजातियां चेलुस ओरिनोकेन्सिस ओरिनोको और रियो नीग्रो बेसिन में निवास करती हैं, जबकि चेलुस फिमब्रिआटा के रूप में जानी जाने वाली प्रजाति विशेष रूप से अमेजॅन बेसिन तक सीमित है।
अध्ययन के अनुसार, लगभग 1 करोड़ 30 लाख साल पहले दोनों प्रजातियां मियोसीन के दौरान विभाजित हो गईं थी। इस अवधि के दौरान, पूर्व अमेजॅन-ओरिनोको बेसिन में जानी पहचानी दो नदी घाटियां अलग-अलग हो गई थी। कई जलीय जीवों की प्रजातियां इस तरह स्थान के आधर पर अलग हो गईं और इन्होंने आनुवंशिक रूप से फैलना शुरू कर दिया।
नई प्रजातियों के विवरण में भी माता माता के संरक्षण की स्थिति का पुनर्मूल्यांकन आवश्यक है। आज तक, इस प्रजाति के व्यापक रूप से फैलने के कारण इन्हें लुप्तप्राय नहीं माना गया था। अध्ययनकर्ताओं ने कहा कि हमारे परिणाम बताते हैं कि, दो प्रजातियों में विभाजित होने के कारण, प्रत्येक प्रजाति की जनसंख्या आकार पहले की तुलना में छोटी हुई है।
इसके अलावा, हर साल इन विचित्र दिखने वाले हजारों जानवरों का अवैध व्यापार होने से इनका जीवन समाप्त हो रहा हैं।
हालांकि इन जानवरों के अवैध व्यापार का पता लगने पर अधिकारियों द्वारा इन्हें जब्त भी किया जाता है। बोगोटा के नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ कोलम्बिया के प्रोफेसर और प्रमुख अध्ययनकर्ता मारियो वर्गास-रामिरेज कहते है कि इससे पहले बहुत देर हो जाए, हमें इन आकर्षक जानवरों की रक्षा करनी चाहिए।

दुनिया की रहस्यमयी फुन्दूजी झील

दुनिया में लाखों की संख्या में झीलें हैं, कुछ झीलें ऐसा ही जिनका रहस्य आज तक इंसान नहीं जानता.कुछ झीलों काफी डारवनी भी है.आज हम आपको एक ऐसी ही झील के बारे में बताने जा रहे हैं.कहा जाता है कि इस झील का पानी जो भी पी ले वो जिंदा नहीं बचता है और जल्द ही उसकी मौत हो जाती है.यह रहस्यमयी झील दक्षिण अफ्रीका के लिंपोपो प्रांत में है. इसे फुन्दूजी झील के नाम से जाना जाता है.स्थानीय लोगों के अनुसार, किंवदंती है कि इस जगह से प्राचीन काल में एक कोढ़ी व्यक्ति जो कारी लंबा सफर करके यहां आया था, उसे लोगों द्वारा भोजन और आश्रय नहीं दिया गया. कहा जाता है कि इसके बाद उस व्यक्ति ने लोगों को श्राप दिया और झील में प्रवेश किया और फिर गायब हो गया.

कहा जाता है कि झील के अंदर से आज भी डूबे हुए लोगों के रोने, ड्रम बजने की आवाजें आती रहती हैं. स्थानीय लोगों का यह भी कहना है कि पहाड़ों पर मौजूद इस झील की रक्षा एक विशालकाय अजगर करता है.इस अजगर को प्रसन्न करने के लिए हर साल वेन्दा आदिवासी एक नृत्य उत्सव का आयोजन करतें हैं, जिसमें कुवारी लड़कियां नाचती हैं.कहा जाता है कि झील प्राचीन काल में भूस्खलन के कारण बनी थी जिसने मुटाली नदी के प्रवाह को अवरुद्ध कर दिया था, और अब यह एक रहस्य है कि नदी का पानी बहुत साफ है, लेकिन ऐसा क्या है कि जो भी इसके पानी को पीता है उसकी जल्द ही मृत्यु हो जाती है. जानकारी के अनुसार, झील के पानी के रहस्य को जानने की कई कोशिशें हुईं, हालांकि जांचकर्ता हर बार विफल रहे. कहा गया कि 1946 में एंडी लेविन नाम के एक व्यक्ति को झील के पानी की सच्चाई का पता लगाने के लिए यहां आया था.उसने इस झील से थोड़ा पानी लिया और झील के आस-पास के कुछ पौधे लिए और चल दिया. लेकिन वो थोड़ी देर ही चला था कि वो रास्ता भटक गया.एंडी लेविन तब तक रास्ता भटकते रहे जब तक उन्होंने पानी और पौधे नहीं फेंक दिए थे. हालांकि, इस घटना के कुछ दिनों बाद ही उनकी मृत्यु हो गई थी.
आज तक किसी को इस बात का पता नहीं चला है कि आखिर इस झील में ऐसा क्या है कि इसका पानी पीने के बाद व्यक्ति कि मौत हो जाती है.कुछ लोगों का मानना है कि इस झील के पानी में कोई खतरनाक जहरीली गैस मिली हो सकती है, लेकिन इसका कोई प्रमाण नहीं मिला है.

बस्तर में पाई जाने वाली जनजातियां

आधुनिक भारत में आज भी कई ऐसे स्थान है जहा पर बरसों से चली आ रही जनजातियां निवास करती हैयु तो भारतीय इतिहास में आदिवासी जनजाति संस्कृति का बहुत महत्व है.लेकिन समय के साथ बहुत सी जनजातियों ने स्वयं में बदलाव किये है.जैसे हलबा व भतरा जनजाति इत्यादि. अगर संपूर्ण विश्व की बात की जाए तो सबसे ज्यादा जनजातियां भारत में पाई जाती है जैसे कोल, भील, पहाड़िया, कमार, थारू जनजाति इत्यादि. लेकिन आज हम आपको बस्तर में पाई जाने वाली प्राचीन समय से लेकर अब तक चली आ रही जनजातियों के बारे में बताने जा रहे हैं.ये जनजातियां बस्तर व बस्तर के आस पास के इलाको में निवास करती है.तो जानते हैं इन जनजातियों के बारे में

जनजाति का अर्थ

जनजाति को समझने के लिए पहले हमें प्रकृति व जंगलों में रहने वाले मनुष्य के समुदाय को बारीकी से समझना चाहिए.जनजाति वह होती है जो सभी लोगों से दूर पर्वतों,जंगलों, वनो इत्यादि में निवास करती हैं. जिन की भाषा अलग होती है जो भूत-प्रेत, दैवी शक्तियों में बेहद विश्वास रखते हैं. जिन का व्यवसाय जंगली शिकार व जंगली पेड़ पोधो पर निर्भर रहता है. जंगलो में पाई जाने वाली लगभग 90 % जनजातीय असभ्य व हिंसक होती हैजिस प्रकार जंगली जानवर अपने इलाके की रक्षा के लिए अपनी जान तक दे सकता है ठीक इसी प्रकार ये जनजातीया अपने इलाके की रक्षा करती है. अमूमन सभी जनजाती माँसाहारी होती है.

बस्तर में पाई जाने वाली जनजातियों से पहले आपको बस्तर इलाके के बारे में समझना होगा.बस्तर एक जिला है जो चार संस्कृतियों से घिरा हुआ है इसके चारों तरफ छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, उड़ीसा और महाराष्ट्र की सीमाएं लगती है.इस जिले के जंगलो में हजारों सालों से विभिन्न जनजातियाँ निवास करती हैं जिनमे से प्रमुख जनजातियों का विवरण इस प्रकार है:

माडिया जनजाति

माडिया जनजाति बस्तर के जंगलों में पाई जाने वाली जनजाति है.यह जनजाति बस्तर के पहाड़ी इलाकों व जंगलों में निवास करती है.माडिया जनजाति को दो भागों में बांटा गया है 1.अबुझ माड़िया 2. दण्डामी माड़िया (बाईसन होर्न माड़िया) अबूझ मडिया पहाड़ों के घने जंगलों में निवास करती है व दण्डामी माड़िया समतल इलाके के जंगलों में निवास करती हैये लोग माड़िया भाषा बोलते है.इन दोनों जनजातियों की संस्कृति आपस में मिलती जुलती है और यह दोनों ही जनजातियां बाहरी लोगों का अपने इलाके में आना पसंद नहीं करती.जब भी कोई व्यक्ति इनके इलाके में प्रवेश करता है तो यह असहज महसूस करते हैं व बाहरी व्यक्ति पर तीर कमान से हमला कर देते हैं. हमले के बाद इस जनजाति के लोग कर्कश ध्वनि के द्वारा अपनी ताकत का एहसास कराते हैं.माडिया जनजाति के पुरुषों का स्वभाव नटखट व नाच गाने वाला होता है.यह लोग शराब के शौकीन होते हैं.इस जनजाति लोग अच्छी फसल प्राप्त करने के लिए अपने देवताओं के सम्मान में लकड़ियों के द्वारा आग जला कर उसके चारों ओर नृत्य करते हैं.माडिया जनजाति सर्वाहारी जनजातियों की श्रेणी में आती है.इस जनजाति के लोग बहुत बहादुर होते है ८इस जनजाति के पुरुष शिकार के लिए बाघ, भालू, तेंदवे से भी लोहा लेने से नहीं कतराते.यु तो माडिया जनजाति बाघ का बेहद सम्मान करती है परंतु जब बाघ इन पर हमला करता है तो आत्म रक्षा में बाघ को भी मार सकते है.माड़िया लोगो में घोटुल परंपरा का पालन होता है व यह लोग काकसार नाम के कुल देवता की अराधना करते हैं.

हलबा जनजाति

हलबा जनजाति छत्तीसगढ़ (बस्तर) में पाई जाने वाली एक विशाल जनजाति है इस जनजाति के लोग छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के इलाकों में निवास करते हैं. प्राचीन समय में यह जनजाति भी जंगलों में रहती थी परंतु आज के समय में इस जनजाति के लोग गांवो की तरफ भी पलायन कर रहे हैं.हलबा जनजाति 17 वीं शताब्दी में बस्तर राज्य के प्रमुख और सबसे प्रभावशाली जनजातीय समूहों में से एक थीं व उस समय हलबा जनजाति बस्तर राज्य की राजनीति और सेना में सक्रिय थीं.देश के विभिन्न हिस्सों में प्रवास के बाद हलबा जनजाति ने अपनी आजीविका के लिए अलग-अलग व्यवसाय को अपना लिया . जैसे कृषि, बुनाई, मजदूरी इत्यादि हल्बा जनजाति की भाषा हल्बी है, जो मराठी और ओडिया का संयोजन से बनी है व ये लोग देवी माँ दंतेश्वरी की पूजा करते है.

भतरा जनजाति

भतरा जनजाति प्राचीन काल में सम्पूर्ण बस्तर जिले में फैली हुई थी इस जनजाति के लोग कला और नाटक प्रेमी होते थे.इन्हें पेंटिंग करना व नाच गाना पसंद था.परंतु समय के साथ इस जनजाति के लोगो ने खुद में बदलाव किया और यह भी समय की दौड़ के साथ चलना सिख गए.आज भतरा जनजाति के लोगों ने आधुनिक बनना शुरू कर दिया है.इस जनजाति के लोग आज कल शहरों में रोजगार की लिए निवास करते हैं.प्राचीन समय में इस जनजाति के लोगो का प्रिय भोजन केकड़ा व पक्षियों का मॉस था.

मुरिया जनजाति

मुरिया जनजाति को बस्तर की मूल जनजाति कहा जाता है अर्थात इस जनजाति के लोग हमेशा से इस इलाके में रहे हैं इस जनजाति के लोगों को श्रृंगार करना व कलात्मक वस्तुएं बनाना पसंद है.मुरिया जनजाति में माओपाटा के रूप में एक आदिम शिकार नृत्य किया जाता है जिसमे इस जनजाति के सभी पुरुष बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते है.नृत्य के समय युवा पुरुष नर्तक अपनी कमर में पीतल अथवा लोहे की घंटियां बांधे रहते है साथ में छतरी और सिर पर आकर्षक सजावट कर नृत्य करते है.

सार समाचार

छह महीने के अभियान पर रवाना होंगे चीन के 3 अंतरिक्ष यात्री, स्पेस स्टेशन से जुड़ेंगे

बीजिंग/जिकुआन। चीन ने शनिवार को तीन सदस्यीय अंतरिक्ष यात्रियों के दल की घोषणा की जो शेनझोउ-14 अंतरिक्षयान से छह महीने के अभियान पर रवाना होगा।यह दल पृथ्वी का चक्कर लगा रहे चीन के अंतरिक्ष स्टेशन का निर्माण कार्य पूरा करेगा। चाइना मैन्ड स्पेस एजेंसी (सीएसएमए) ने शनिवार को कहा कि शेनझोउ-14 अंतरिक्षयान चेन डोंग, लिउ यांग और चाई शुझे को लेकर जाएगा जो निमार्णाधीन तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन के साथ जुड़ जाएंगे। शेनझोउ-14 अंतरिक्षयान को उत्तर पश्चिमी चीन के जिकुआन उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से रविवार को लॉन्ग मार्च-2एफ रॉकेट के जरिये अंतरिक्ष में भेजा जाएगा।

कैलिफोर्निया के रेगिस्तान में नौसेना का लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त, पायलट की मौत

कैलिफोर्निया (अमेरिका)। दक्षिणी कैलिफोर्निया के रेगिस्तान में शुक्रवार को नौसेना का एक लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें पायलट की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। नौसेना ने एक बयान में बताया की 'नेवल एयर स्टेशन लेमूर' से एक 'एफ/ए-18ई सुपर हॉर्नेट' उड़ान भरने के बाद दोपहर करीब 2:30 बजे सैन बर्नार्डिनो काउंटी में ट्रोना इलाके में नीचे गिर गया। हादसे में जमीन पर मौजूद किसी व्यक्ति को चोट नहीं आई। पायलट की पहचान और दुर्घटना के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी गयी। ट्रोना, एयर स्टेशन से लगभग 380 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में है। वर्ष 2019 में एक 'नेवी सुपर हॉर्नेट' नियमित प्रशिक्षण अभियान के दौरान 'डेथ वैली नेशनल पार्क' में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिससे पायलट की मौत हो गई और पार्क में मौजूद सात लोग मामूली रूप से घायल हो गए थे।

यासीन मलिक को सजा सुनाए पर पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव को पत्र लिखा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने एक भारतीय अदालत द्वारा आतंक वित्त पोषण मामले में कश्मीर के अलगाववादी नेता यासीन मलिक को सजा सुनाए जाने को लेकर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस को पत्र लिखा है। विदेश कार्यालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। दिल्ली की एक अदालत ने पिछले सप्ताह यासीन को आंतक वित्त पोषण मामले में दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। विदेश कार्यालय ने एक बयान में कहा कि कश्मीर के हालात पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान आकर्षित करने के पाकिस्तान के प्रयासों के तहत बिलावल द्वारा 31 मई को संयुक्त राष्ट्र प्रमुख को यह पत्र भेजा गया। बयान के मुताबिक, पत्र में संयुक्त राष्ट्र महासचिव को मलिक को सजा दिए जाने की परिस्थितियों से अवगत कराया गया। बिलावल ने पत्र में आरोप लगाया कि मलिक को दोषी ठहराना भारत सरकार द्वारा कश्मीरियों और उनके नेतृत्व को सताने और दमन करने की कोशिशों का हिस्सा है। उन्होंने मलिक की हिरासत में हत्या की आशंका भी जताई। बिलावल ने गुतारेस से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के संबंधित प्रस्तावों के अनुसार जम्मू-कश्मीर विवाद के शांतिपूर्ण समाधान में भूमिका निभाने का आग्रह किया। उल्लेखनीय है कि भारत ने पाकिस्तान से बार-बार कहा है कि जम्मू और कश्मीर देश का अभिन्न अंग था, है और हमेशा बना रहेगा। भारत ने पाकिस्तान को वास्तविकता को स्वीकार करने और भारत के खिलाफ दुष्प्रचार को रोकने की भी सलाह दी है।

खाद्य वस्तुओं की कमी के बीच श्रीलंका के राष्ट्रपति ने आवश्यक वस्तुओं का भंडार करने का निर्देश दिया

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने शुक्रवार को अधिकारियों को आवश्यक वस्तुओं का पर्याप्त भंडार करने का निर्देश दिया और आगामी महीनों में द्वीप राष्ट्र के समक्ष आसन्न खाद्य वस्तुओं की कमी के दौरान व्यापारियों द्वारा किसी तरह की कृत्रिम कमी पैदा किए जाने को लेकर चेतावनी दी। वर्ष 1948 में आजादी के बाद से श्रीलंका सबसे खराब आर्थिक संकट से गुजर रहा है। द्वीप राष्ट्र में विदेशी भंडार की गंभीर कमी के कारण ईंधन, रसोई गैस और अन्य आवश्यक वस्तुओं के लिए लंबी कतारें लगी हैं, जबकि बिजली कटौती और खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों से लोग परेशान हैं। समाचार पोर्टल इकोनॉमी नेक्स्ट ने राष्ट्रपति कार्यालय के मीडिया विभाग द्वारा शुक्रवार को जारी एक बयान के हवाले से कहा, राष्ट्रपति राजपक्षे ने संबंधित अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए उपाय करने का निर्देश दिया है कि सामान की कमी न हो और माल की कमी का बहाना करके कीमतें बढ़ाने के कुछ व्यापारियों के संगठित प्रयासों को रोका जाए। समाचार पोर्टल के कोलंबो पेज के अनुसार, राष्ट्रपति राजपक्षे ने उपभोक्ता मामलों के प्राधिकरण को मौजूदा स्थिति का फायदा उठाने वाले कारोबारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया। राष्ट्रपति का यह अनुरोध तब आया है जब विशेषज्ञों ने इस साल सितंबर से चावल और अन्य आवश्यक खाद्य पदार्थों की संभावित कमी की चेतावनी दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने सितंबर तक खाद्य वस्तुओं की गंभीर कमी होने की चेतावनी दी है, जिसके लिए श्रीलंका के लगभग शून्य विदेशी मुद्रा भंडार के बीच द्वीप राष्ट्र को उर्वरक आयात करने के वास्ते 60करोड़ डॉलर की आवश्यकता होगी। विक्रमसिंघे ने यहां संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की और उन्हें देश की स्थिति के बारे में जानकारी दी। विक्रमसिंघे ने कहा कि वर्तमान में कृषि क्षेत्र के सामने सबसे बड़ी समस्या उर्वरक और ईंधन की कमी है।

नाटो में शामिल होने की फिनलैंड, स्वीडन की इच्छा को लेकर एर्दोआन से की वार्ता

ब्रसेल्स । उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने फिनलैंड की प्रधानमंत्री से मुलाकात की। उन्होंने संगठन में शामिल होने संबंधी स्वीडन एवं फिनलैंड के आवेदन को लेकर तुर्की के विरोध से निपटने के प्रयास के तहत उसके राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन से वार्ता की। इस सप्ताह अमेरिका की यात्रा करने वाले स्टोलटेनबर्ग ने बताया कि उन्होंने फिनलैंड की प्रधानमंत्री सना मारिन से मुलाकात कर संगठन की सदस्यता के फिनलैंड एवं स्वीडन के आवेदन को लेकर 'तुर्की की चिंताओं को दूर करने तथा आगे बढ़ने की आवश्यकता पर' बातचीत की। यूक्रेन में रूस के युद्ध ने नॉर्डिक देशों को नाटो में शामिल होने का आवेदन करने के लिए प्रेरित किया है, लेकिन एर्दोआन ने स्वीडन और फिनलैंड पर तुर्की द्वारा आतंकवादी माने जाने वाले कुर्द लड़ाके का समर्थन करने का आरोप लगाया है। स्टोलटेनबर्ग ने कहा कि उन्होंने एर्दोआन से ह्यह्यफोन पर रचनात्मक वार्ता की। उन्होंने तुर्की को एक 'अहम मित्र' बताया और रूस के हमले के बाद पैदा हुए वैश्विक खाद्य संकट के बीच यूक्रेन से खाद्यान्न की सुरक्षित ढुलाई सुनिश्चित करने का समझौता कराने में तुर्की के प्रयासों की सराहना की। स्टोलटेनबर्ग के मुताबिक, वह और एर्दोआन वार्ता जारी रखने वाले हैं, लेकिन उन्होंने विस्तार से कुछ नहीं बताया। स्वीडन, फिनलैंड और तुर्की के वरिष्ठ अधिकारी अगले सप्ताह ब्रसेल्स में बैठक करने वाले हैं, जहां दोनों देशों के आवेदन पर तुर्की के विरोध को लेकर बातचीत की जाएगी।

कीव में रुसी हमले के कारण मलबे में बदले लकड़ी के एक गोदाम का जायजा लेते हुए कर्मचारी।

यूक्रेन: संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने शांति का अनुरोध दोहराया

संयुक्त राष्ट्र। यूक्रेन पर रूस के हमले के सौ दिन पूरे हो गए हैं, ऐसे में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने हिंसा को तत्काल रोकने की अपनी अपील दोहराई है। गुतारेस ने नागरिकों की रक्षा, उन्हें मानवीय सहायता मुहैया कराने और युद्धग्रस्त इलाकों में फंसे लोगों को तत्काल सुरक्षित निकाले जाने तथा मानवाधिकारों का सम्मान करने की भी अपील की। उन्होंने शुक्रवार को एक बयान में कहा, 'संघर्ष में पहले ही हजारों लोगों की जानें जा चुकी हैं, भारी पैमाने पर विध्वंस हुआ है, लाखों लोग विस्थापित हुए हैं और इससे मानवाधिकारों का ऐसा उल्लंघन हुआ है जो स्वीकार्य नहीं है। इन सब से खाद्य, ऊर्जा और वित्त - तीन आयामों वाला वैश्विक संकट पैदा हुआ है जो जरूरतमंदों, देशों और अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित कर रहा है।' संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा कि युद्ध के पहले ही दिन से संयुक्त राष्ट्र यूक्रेन की जनता का समर्थन कर रहा है, साथ ही 'लगातार चलने वाली लड़ाई के खतरों और इसके दीर्घकालिक असर के बारे में बताता रहा है।' गुतारेस ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र मानवीय प्रयासों के लिए प्रतिबद्ध है 'लेकिन मैं शुरूआत से कहता आ रहा हूं कि संघर्ष को समाप्त करने के लिए बातचीत जरूरी है।' उन्होंने कहा, ह्यह्यइस युद्ध को समाप्त कराने के लिए जितनी जल्दी पक्षकार प्रयास शुरू करेंगे, उतना ही यूक्रेन, रूस और पूरी दुनिया के लिए बेहतर होगा।

यूक्रेन में 100 दिनों के युद्ध के बाद भी अपनी मौजूदगी बनाए रख सकता है रूस

कीव (एजेंसी)

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने फरवरी के अंत में जब यूक्रेन में सैनिक भेजे थे तब उन्होंने संकल्प लिया था कि रूसी सेना पड़ोसी देश पर कब्जा नहीं करेगी। लेकिन सैन्य अभियान 100 वें दिन शुक्रवार को भी जारी रहा और रूस द्वारा युद्ध में कब्जा किये गये क्षेत्र को छोड़ने की संभावना नजर नहीं आ रही है।

रूसी मुद्रा रूबल, यूक्रेनी मुद्रा रिव्निया की जगह लेने वाली है। रूबल अब दक्षिणी खेरसॉन क्षेत्र में आधिकारिक मुद्रा हो गई है। वहां और रूस के नियंत्रण वाले जपोरिजिया क्षेत्र के निवासियों को रूसी पासपोर्ट की पेशकश की जा रही है।

रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन ने दोनों क्षेत्रों में प्रशासन स्थापित किये हैं, जिसके साथ इनके रूस का हिस्सा बनाने की योजना के बारे में बातें की जा रही है। यूक्रेन के डोनबास इलाके में अलगावादी क्षेत्रों के मास्को समर्थित नेताओं, जिनमें अधिकतर रूसी भाषी हैं, ने समान इरादे साझा किये हैं। यूक्रेन के पूर्वी क्षेत्र में लड़ाई तेज हो गई है क्योंकि रूस डोनबास के पूरे क्षेत्र को अपने कब्जे में करना चाहता है।

क्रेमलिन ने उन शहरों, कस्बों और गांवों के बारे में अपनी योजना पर बहुत हद तक चुप्पी साध रखी है जिन पर उसने बमबारी की है और मिसाइलें दागी हैं। साथ ही, आखिरकार उन पर

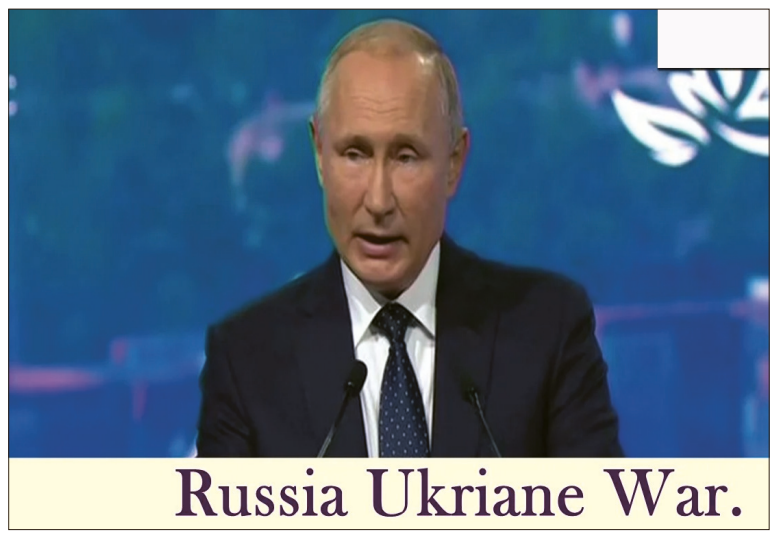

कब्जा कर लिया।

'कानेर्जी इन्डोवमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस' में सीनियर फेलो एंड्रेई कोलेसनीकोव ने कहा, 'बेशक, रूस टिके रहना चाहता है। कब्जा किये गये क्षेत्र को रूस नहीं छोड़ना चाहेगा, भले ही वह उसकी योजना का हिस्सा नहीं रहा हो।'

खेरसोन और जपोरिजिया में इस महीने रूसी रूबल को दूसरी आधिकारिक मुद्रा के तौर पर पेश किया गया। रूस समर्थित प्रशासकों ने स्थानीय निवासियों को 10,000 रूबल (लगभग 163 डॉलर) सामाजिक सुरक्षा भुगतान करना शुरू कर दिया है। क्रेमलिन की सत्तारूढ़ यूनाइटेड रशिया पार्टी के एक वरिष्ठ अधिकारी एंड्रेई तुरचक ने खेरसॉन के निवासियों के साथ एक बैठक में कहा, 'रूस यहां हमेशा के लिए है।'

मेलीतोपोल में रूसी आव्रजन सेवाओं के लिए खोला गया एक कार्यालय रूसी नागरिकता के लिए त्वरित प्रक्रिया से आवेदन जमा कर रहा है।

पाकिस्तान में आत्महत्या के मामलों को रोकने के लिए गूगल ने एनजीओ से मिलाया हाथ

कराची (एजेंसी)

प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल ने पाकिस्तान में आत्महत्या के मामलों की बढ़ती संख्या और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों से निपटने के लिए एक 'सुसाइड हॉटलाइन' शुरू करने को लेकर एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) से हाथ मिलाया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुमानों के मुताबिक, पाकिस्तान में हर साल आत्महत्या की कोशिशों के करीब 1,30,000 से लेकर 2,70,000 मामले दर्ज किये जाते हैं।

गूगल ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा, 'पाकिस्तान में आत्महत्या से जुड़ी जिज्ञासा, जैसे कि 'आत्महत्या में मदद' और ह्यमैं कैसे आत्महत्या कर सकता/सकती हूं, ढूंढने वाले सवाल अब 'उमंग पाकिस्तान' की हेल्पलाइन के पास चले जाएंगे।'

पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका के लिए गूगल के क्षेत्रीय निदेशक फरहान कुरैशी ने शुक्रवार को मीडिया से कहा कि जब भी कोई व्यक्ति आत्महत्या से जुड़ी कोई चीज 'ब्राउज' करेगा (ढूंढेगा), हॉटलाइन उपयोगकताओं को 'सर्च रिजल्ट पेज' के शीर्ष हिस्से पर तुरंत मदद प्राप्त करने में सक्षम बनाएगा। डब्ल्यूएचओ से मान्यता प्राप्त उमंग एक मानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन है जो आत्महत्या करने के बारे में सोचने वाले पाकिस्तानियों को यह कदम नहीं उठाने में मदद करता है। उमंग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी किंजा नईम ने कहा, 'पाकिस्तान में 40 प्रतिशत आबादी मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से कुछ हद तक ग्रसित है।'

पहली बार महिला राजनयिक के साथ अफगानिस्तान पहुंचा भारतीय दल, जानिए किन मुद्दों पर हुई बातचीत

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

अफगानिस्तान की यात्रा पर गए एक भारतीय दल में महिला राजनयिक भी शामिल हैं। ये दल अफगानिस्तान के लिए मुहैया करायी गई मानवीय सहायता के वितरण की देखरेख के लिए काबुल पहुंचा है। भारतीय दल ने तालिबान के वरिष्ठ सदस्यों के साथ भी मुलाकात की। सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि दीप्ति झारवाल विदेश मंत्रालय की पाकिस्तान-अफगानिस्तान-ईरान इकाई का हिस्सा हैं।

भारतीय दल में महिला राजनयिक को शामिल किए जाने का मामला ऐसे समय में सामने आया है, जब भारत समेत अंतरराष्ट्रीय समुदाय तालिबान सरकार पर अफगानिस्तान में महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित नहीं करने का दबाव बना रहा है। सूत्रों ने बताया कि काबुल में भारतीय दल ने अफगानिस्तान के कार्यकारी विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी के साथ बैठक की और इस दौरान झारवाल भी मौजूद रहीं। सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें सामने आईं हैं, जिनमें महिला राजनयिक को काबुल में भारतीय दल के साथ देखा जा सकता है।

पाकिस्तान सरकार ने सरकारी अधिकारियों की जांच का जिम्मा आईएसआई को सौंपा: रिपोर्ट

इस्लामाबाद। (एजेंसी)

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने देश की प्रमुख खुफिया एजेंसी आईएसआई को सभी सरकारी अधिकारियों/कर्मचारियों के सत्यापन और जांच का जिम्मा आधिकारिक तौर पर सौंप दिया है। एक मीडिया रिपोर्ट में शनिवार को यह जानकारी दी गई। हालांकि आईएसआई देश में पहले भी यह काम करती रही है, लेकिन इसे प्रोटोकॉल के रूप में औपचारिक नहीं किया गया था। अब इस व्यवस्था को एक कानूनी आवरण प्रदान किया गया है।

'एस्टेबलिशमेंट डिविजन' की अधिसूचना के अनुसार, शरीफ ने प्रधानमंत्री को प्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) महानिदेशालय को सभी सरकारी कार्यालयों के (अधिकारी श्रेणी) कर्मचारियों के सत्यापन और जांच के लिए विशेष जांच एजेंसी (एसवीए) के रूप में अधिसूचित किया है। 'डॉन' समाचार पत्र के

अनुसार,उद्धृत उक्त कानून प्रधानमंत्री को नौकरशाही के वास्ते नियम बनाने या उनमें संशोधन करने का अधिकार देते हैं। उसने बताया कि ये निर्देश प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा छह मई को जारी किए गए। समाचार पत्र ने कहा कि ऐसा कर सरकार ने उस व्यवस्था को एक कानूनी आवरण प्रदान किया है जो पहले से चलन में था, लेकिन इसे प्रोटोकॉल के हिस्से के रूप में औपचारिक नहीं किया गया था। 'एस्टेबलिशमेंट डिविजन' के एक वरिष्ठ अधिकारी ने अपनी पहचान गोपनीय रखे जाने की शर्त पर 'डॉन' को बताया कि नौकरशाहों को कोई अहम जिम्मेदारी सौंपे जाने से पहले आईएसआई और खुफिया ब्यूरो (आईबी) उनके बारे में अपनी रिपोर्ट देते हैं।

विशेष रूप से नौकरशाहों की पदोन्नति के समय रिपोर्ट केंद्रीय चयन बोर्ड (सीएसबी) को भेजी जाती हैं। अखबार ने अनुसार, अधिकारी ने बताया कि चूंकि अब सरकार ने आईएसआई द्वारा जारी रिपोर्ट को कानूनी बना दिया है, इसलिए इन्हें अदालतों में वैध कानूनी दस्तावेजों के रूप में इस्तेमाल किया जा सकेगा। बहरहाल, डिविजन के एक पूर्व सचिव ने इस बात से असहमति जताते हुए कहा, 'जब तक नियमों में संसोधन नहीं किया जाता, तब तक केवल एक अधिसूचना जारी करके एजेंसी की रिपोर्ट को कानूनी नहीं बनाया जा सकता और उसे न्यायिक जांच के दौरान वैध दस्तावेज के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

मंकीपॉक्स नियंत्रित हो सकने के बयान से पलटा डब्ल्यूएचओ, बोला- इसे नियंत्रित करना अनिश्चित

लंदन (एजेंसी)

दुनिया में अभी कोरोना प्रकोप खत्म नहीं हुआ उधर, मंकीपॉक्स के नए वायरस ने कोहराम मचा दिया है। इस बीमारी के संक्रमण को नियंत्रित किया जा सकता है, यह दावा करने के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) अपने बयान से पलट गया है। संगठन ने कहा कि यह लगभग 30 देशों में फैल गया है और 550 से ज्यादा मामलों की पुष्टि हुई है, अब यह कहना मुश्किल है कि इस वायरस पर नियंत्रण पाया जा सकता है या नहीं। डब्ल्यूएचओ के अधिकारियों ने पहले कहा था कि मंकीपॉक्स का प्रकोप 'एक नियंत्रण योग्य स्थिति है' और सामूहिक रूप से दुनिया के पास इस प्रकोप को रोकने का एक अवसर है। डब्ल्यूएचओ के यूरोप कार्यालय के प्रमुख डॉ. हैंस क्लूज ने कहा, 'हमें अभी तक नहीं पता है कि क्या हम इसके फैलाव को पूरी तरह से रोक पाएंगे।' उन्होंने कहा कि मंकीपॉक्स के मामले में कोविड-शैली के प्रतिबंधों के पैमाने की नकल नहीं की जानी चाहिए। स्वास्थ्य अधिकारियों को खतरे को कम करने के लिए 'महत्वपूर्ण और तत्काल' कार्रवाई करने की जरूरत है। क्लूज के अनुसार, पश्चिमी और मध्य अफ्रीका से शुरू हुआ मंकीपॉक्स का प्रकोप अब इसके बाहर तक फैल गया है। सबसे बड़े और भौगोलिक रूप से इस समय यूरोप इसके प्रकोप का केंद्र बना हुआ है।

क्लूज ने कहा, 'अब हमारे पास इस तेजी से विकसित हो रही स्थिति की तेजी से जांच और नियंत्रण करने के लिए एक साथ तेजी से कार्य करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है।' मामलों की आज तक की रिपोर्ट के आधार पर कहा जा सकता है कि मंकीपॉक्स का प्रकोप बड़े पैमाने पर यौन गतिविधियों के माध्यम से भी फैल रहा है। संक्रमित होने वालों में मुख्य रूप से पुरुषों के साथ यौन संबंध रखने वाले पुरुष शामिल हैं। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि क्या मंकीपॉक्स वायरस वीर्य या योनि के तरल पदार्थ के माध्यम से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में भी फैल सकता है। उन्होंने कहा, 'इन शारीरिक तरल पदार्थों में वायरस अधिक समय तक बना रह सकता है, इस पर भी कोई स्पष्टता नहीं है।' क्लूज ने कहा कि पहला मामला ब्रिटेन से 7 मई को सामने आया था। यह अप्रैल के मध्य से ही चल रहा होगा। क्लूज ने कहा, 'पिछले मामलों की जांच से पता चलता है कि हमारे क्षेत्र में प्रकोप निश्चित रूप से अप्रैल के मध्य में चल रहा था।' यही बात डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम घेब्येयियस ने भी दोहराई थी। उन्होंने कहा था कि मंकीपॉक्स वायरस 'अनिर्धारित' रूप से फैल सकता है। उन्होंने कहा कि यह वायरस महीनों या वर्षों तक फैल सकता है, हालांकि जांच जारी है और अभी तक इस पर कोई ठोस जवाब नहीं है।

क्लूज ने चेतावनी दी, 'आने वाले महीनों में दर्जनों त्योहार होंगे और बड़ी पार्टियों की योजना बनाई गई होंगी, लेकिन मंकीपॉक्स फैलने को लेकर सावधान रहने की जरूरत है।' उन्होंने जोखिम को कम करने के बारे में जागरूकता बढ़ाने और लोगों से यौन साझेदारों की संख्या कम करने का भी आग्रह किया। उन्होंने जागरूकता बढ़ाने की मुहिम में सामुदायिक समूहों और नागरिक समाज के संगठनों को सक्रिय रूप से शामिल करने पर जोर दिया।

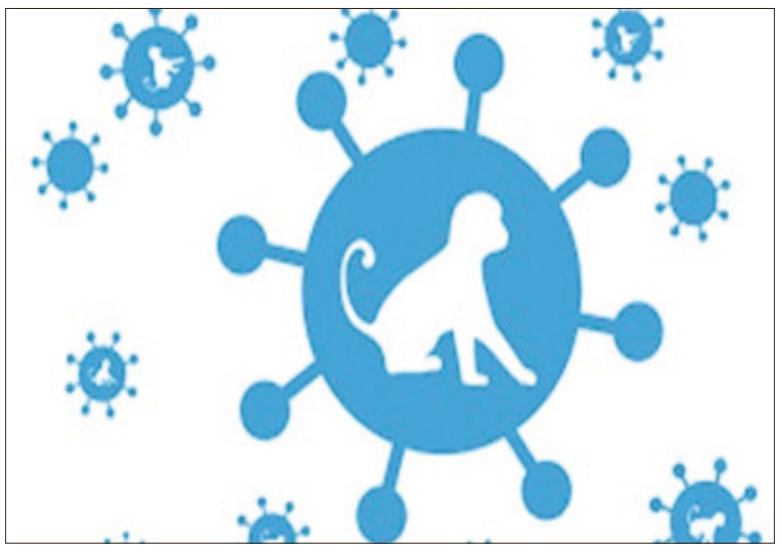

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

माकपा समर्थकों के साथ झड़प में घायल भाजपा कार्यकर्ता की अस्पताल में मौत

अगरतला। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के समर्थकों के साथ दक्षिण त्रिपुरा जिले में झड़प में घायल हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 46 वर्षीय एक कार्यकर्ता की चोटों के चलते यहां शनिवार को जीबीपी अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। जिले के पुलिस अधीक्षक कुलवंत सिंह ने फोन पर पीटीआई- को बताया कि प्रदीप डे को संतीर बाजार जिला अस्पताल से शुक्रवार को जीबीपी अस्पताल भेजा गया था क्योंकि उनकी हालत नाजुक थी और चोटों के चलते शनिवार को उनकी मौत हो गई। सिंह ने कहा, 'हम प्रदीप डे की मौत की वास्तविक वजह फिलहाल नहीं जानते हैं क्योंकि पोस्टमॉर्टम की रिपोर्ट आनी बाकी है। 'सिंह ने बताया कि पुलिस ने राज्य में सत्तारूढ़ दल भाजपा और माकपा समर्थकों के बीच बुधवार को राधानगर इलाके में हुई झड़प के बारे में स्वतः संज्ञान लिया तथा जांच शुरू कर दी। पुलिस अधीक्षक ने कहा, 'पुलिस ने दोषियों को पकड़ने के लिए विभिन्न स्थानों पर छापेमारी शुरू कर दी है।' उल्लेखनीय है कि बेलोनिया उपसंभाग के राधानगर बाजार में हुई इस घटना में कम से कम 10 लोग घायल हो गये। उपसंभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ), बेलोनिया, अभिजीत दास ने दावा किया कि सीमावर्ती गांव राधानगर में स्थिति नियंत्रण में है और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

पर्यावरण दिवस के अवसर पर तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डा 'ग्रीन' लगेज टैग लगाएगा

तिरुवनंतपुरम। तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के अधिकारियों की पहल पर इस साल रविवार को पर्यावरण दिवस के अवसर पर हवाई अड्डे पर यात्रियों के सामान में 'ग्रीन' टैग लगाए जाएंगे जिनमें सब्जियों के बीज, जड़ी-बूटियों और फूल होंगे। पर्यावरण दिवस पर हवाई अड्डे पर पहुंचने वालों के लिए अच्छी गुणवत्ता वाले बीज युक्त अनोखे टैग पेश किए जा रहे हैं। हवाई अड्डे के एक बयान में कहा गया है कि टैग इस तरह से बनाए गए हैं कि उन्हें पानी में भिगोया जा सके और यात्रा के बाद बीज को मिट्टी में बोया जा सके। प्रत्येक टैग में तुलसी के अलावा टमाटर, बैंगन और मिर्च जैसी सब्जियों और गेंदा जैसे फूलों के बीज हैं। अधिकारियों ने कहा कि यह हमारी धरती को संरक्षित करने और हरा-भरा रखने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पर्यावरण संरक्षण के सामूहिक और परिवर्तनकारी प्रयास का आह्वान करता है। बयान में कहा गया है कि तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डा पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों को उच्च प्राथमिकता दे रहा है और टीआईएएल को हाल में आईएसओ 14001-2015 पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली और आईएसओ 50001-2018 ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली प्रमाणपत्र प्राप्त हुए हैं। कार्बन कटौती कार्यक्रम के तहत यह इस वित्त वर्ष में 10 जीवाश्म ईंधन वाहनों को इलेक्ट्रॉनिक वाहनों से बदल देगा। दोनों टर्मिनलों में दो इलेक्ट्रॉनिक वाहन त्वरित चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। बयान में कहा गया है कि सभी आर-22 एसी की जगह कम ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जित करने वाले आर-32 एयर कंडीशनर लगाए जाएंगे।

देशभक्ति बजट के तहत शहर भर में 500 तिरंगे लगाएगी दिल्ली सरकार

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार अपने 'देशभक्ति बजट' के तहत शहर भर में 500 तिरंगे लगाएगी, जिनकी देखभाल के लिए स्वयंसेवक आधारित समितियां बनाई गई हैं। केजरीवाल के मुताबिक, प्रत्येक तिरंगा सम्मान समिति अपने साथ 1,000 युवा स्वयंसेवकों को जोड़ेगी, जो समाज कल्याण से जुड़े कार्यों के लिए प्रतिबद्ध होंगे। त्यागराज स्टेडियम में तिरंगा सम्मान समिति के स्वयंसेवकों को संबोधित करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा, 'दिल्ली में पांच सदस्यीय तिरंगा सम्मान समिति संबंधित स्थान पर प्रत्येक तिरंगे की स्थिति पर नजर रखेगी। तिरंगा सम्मान समिति पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को बताएगी कि धूल, तूफान या प्रदूषण के कारण किसी तिरंगे को कोई नुकसान तो नहीं पहुंचा है।' केजरीवाल ने कहा कि ये समितियां अपने-अपने क्षेत्र में 1,000 स्वयंसेवकों को जोड़ेंगी, जो देश की सेवा और समाज कल्याण की दिशा में काम करेंगे। उन्होंने कहा, 'इन स्वयंसेवकों को पांच कर्तव्य सौंपे जाएंगे। उनके क्षेत्र में कोई भी भूखे पेट न सोए, कोई भी बच्चा स्कूल जाने से वंचित न रहे, जरूरतमंदों को चिकित्सा सहायता सुनिश्चित की जाए, कोई भी बेघर सड़कों पर न रहे और संबंधित क्षेत्रों में साफ-सफाई हो।' केजरीवाल ने बताया कि दिल्ली में फिलहाल अलग-अलग जगहों पर 200 तिरंगे लगाए जा चुके हैं और 15 अगस्त तक सभी 500 तिरंगे लगा लिए जाएंगे। दिल्ली सरकार ने पिछले साल अपने 'देशभक्ति बजट' के तहत पूरे शहर में 115 फीट की ऊंचाई वाले 500 तिरंगे लगाने की घोषणा की थी।

यौन उत्पीड़न के खिलाफ हमारी नीति 'जीरो टॉलरेंस' की है : डीएमआरसी

नई दिल्ली । महिला द्वारा दिल्ली मेट्रो के एक स्टेशन पर उसके साथ यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने के एक दिन बाद डीएमआरसी ने कहा कि वह महिला यात्रियों की सुरक्षा को 'बहुत गंभीरता' से लेता है और इस संबंध में समुचित कार्रवाई के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ पूरा-पूरा सहयोग किया जा रहा है। डीएमआरसी ने कहा है कि किसी प्रकार के अश्लील/ आपत्तिजनक व्यवहार या यौन उत्पीड़न के प्रति उसकी नीति जीरो टॉलरेंस' की है और वह 'सभी यात्रियों को हमेशा यात्रा के लिए सुरक्षित वातावरण मुहैया कराने को प्रतिबद्ध है।' अधिकारियों ने बताया कि महिला द्वारा जोर बाग मेट्रो स्टेशन पर एक व्यक्ति द्वारा यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने के बाद दिल्ली पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है। महिला ने आरोप लगाया कि प्लेटफॉर्म के पास खड़े 'पुलिसकर्मी' से घटना के बाद मदद मांगने पर उसे मदद नहीं मिली। महिला ने अपने साथ हुई घटना के बारे में ट्विटर पर लिखा। महिला का आरोप है कि पीली लाइन पर स्थित जोर बाग मेट्रो स्टेशन पर एक व्यक्ति ने उसके साथ अश्लील हरकत की। महिला का दावा है कि स्टेशन पर उतरने पर एक व्यक्ति उससे पता पूछने आया। महिला ने ट्वीट में कहा है कि पता लिखी फाइल दिखाने के दौरान उक्त पुरुष ने अपने जननांग उस दिखाए। इस मामले में अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली मेट्रो के परिसर और ट्रेनों के भीतर जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे लगे हैं और घटना का फुटेज पुलिस के साथ साझा कर दिया गया है। वे लोग आगे की कार्रवाई कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'सीसीटीवी कैमरों के अलावा दिल्ली मेट्रो की ट्रेनों में यात्री इमरजेंसी अलार्म भी लगा है जिसकी मदद से यात्री ट्रेन ऑपरेटर से बात कर सकते हैं। स्टेशनों पर रोशनी का पूरा इंतजाम है, ताकि किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके और दिल्ली मेट्रो की हेल्पलाइन 155370 भी चौबीसों घंटे काम करती है।' दिल्ली मेट्रो के भीतर सुरक्षा की जिम्मेदारी सीआईएसएफ (केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल) की है, यह रेखांकित करते हुए दिल्ली पुलिस ने कहा कि सीआईएसएफ के उच्चाधिकारियों से चर्चा की जा रही है कि आखिर इस मामले से दिल्ली पुलिस को पहले अवगत क्यों नहीं कराया गया? अपने ट्वीट में महिला ने यह भी आरोप लगाया कि जब उसने स्टेशन पर मौजूद अधिकारियों से शिकायत की, तब उन्होंने महिला पर ही आरोप लगाया। महिला ने अपने ट्वीट में दावा किया है, ह्यह्यमैंने जब उनसे इसपर कार्रवाई करने को कहा, तब उन्होंने कहा कि मुझे तभी शोर मचाना चाहिए था।

गृह मंत्री शाह बोले- घाटी में ही रहेंगे कश्मीरी हिंदू, अधिकारियों को दिए कड़े कदम उठाने के निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)

जम्मू-कश्मीर में लक्षित हत्याओं पर अंकुश लगाने के लिए कड़े कदम उठाए जाएंगे। कश्मीर घाटी से हिंदुओं को बाहर नहीं निकाला जाएगा। घाटी में ही उनकी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई उच्च स्तरीय बैठक में इसके लिए तैयार रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। शाह ने सुरक्षा एजेंसियों को टारगेट किलिंग जैसी घटनाओं में शामिल आतंकियों और उनसे जुड़े ओवर ग्राउंड वर्कर्स के खिलाफ सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने साफ किया कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को पूरी तरह से समाप्त करना और सीमा पार से जीरो घुसपैठ का लक्ष्य हासिल करना सरकार की प्राथमिकता है।

पिछले कुछ दिनों से कश्मीर घाटी में हिंदुओं को निशाना बनाए जाने की घटनाओं के बाद गृह मंत्रालय में हुई पहली उच्च स्तरीय बैठक में अमित शाह के साथ ही जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, एनएसए अजीत डोभाल, रा प्रमुख सामंत गोयल, आइबी प्रमुख अरविंद कुमार, थल सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे, गृह सचिव अजय भल्ला और विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। दो हफ्ते के भीतर जम्मू-कश्मीर के हालात पर अमित शाह की यह दूसरी उच्च स्तरीय बैठक थी।

बैठक में सुरक्षा एजेंसियों की ओर से बताया गया कि बड़ी आतंकी वारदातों को अंजाम देने में विफल होने के बाद आतंकी हताशा में साफ्ट टारगेट को निशाना बना रहे हैं और यह काम युवाओं को पैसे देकर कराया जा रहा है। एजेंसियों ने भरोसा दिया कि पिछले साल अक्टूबर में वे इसी तरह के हाइब्रिड आतंकियों से निपटने में कामयाब रहे थे और इस बार भी उनपर लगाम लगाने में सफल होंगे। बैठक में भाग लेने आए जम्मू-कश्मीर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने टारगेट किलिंग को देखते हुए कश्मीर घाटी से हिंदुओं को बाहर निकाले जाने की मांग को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि फिलहाल लगभग छह हजार हिंदू कर्मचारियों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित कर दिया गया है। लेकिन उन्हें पूरी तरह से घाटी से निकालने की 1990 की गलती नहीं दोहराई जाएगी।

आतंकियों को टारगेट किलिंग का मकसद भी भय फैलाकर अल्पसंख्यक हिंदुओं को घाटी से बाहर निकलने के लिए मजबूर करना है, लेकिन इस बार उनकी साजिश सफल नहीं हो पाएगी। अधिकारी के अनुसार घाटी में हालात तेजी से सुधर रहे हैं और आतंकी व अलगाववादी पूरी तरह से हाशिये पर हैं। इसके लिए उन्होंने अलगाववादी नेता सैयद अली शाह गिलानी की मौत और आतंकी यासीन मलिक को हुई उम्रकैद की सजा का हवाला दिया। उनके अनुसार इन दोनों की घटनाओं पर घाटी में पूरी तरह से शांत रही, जबकि इसके पहले बुरहान वानी के एनकाउंटर से लेकर अन्य घटनाओं के समय घाटी कई

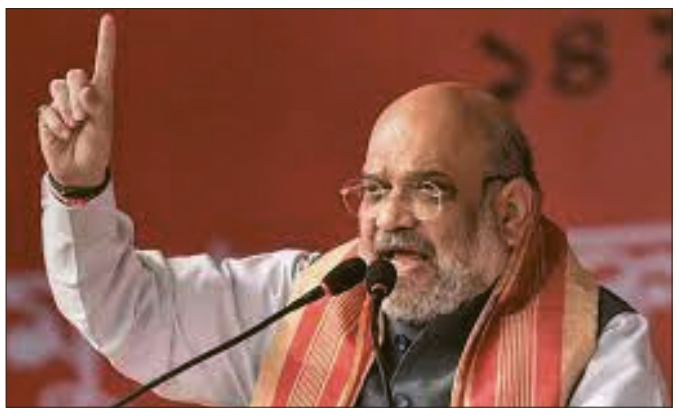

दिनों तक अशांत हो जाती थी। जम्मू-कश्मीर के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पिछले दो सालों से रिकार्ड संख्या में पर्यटकों का घाटी में आना यहां के बदलते माहौल को दशार्ता है। उनके अनुसार इस साल अभी तक 10 लाख से अधिक पर्यटक घाटी में आ चुके हैं। इसके साथ ही 15 जून को श्रीनगर में फिल्म फेस्टिवल भी शुरू होने जा रहा है, जबकि आतंकवाद शुरू होने के बाद घाटी में सभी सिनेमाघरों को बंद कर दिया गया था। अधिकारी ने यह भी साफ कर दिया कि ताजा घटनाक्रम के बावजूद सालाना अमरनाथ यात्रा अपने तय समय के हिसाब से शुरू होगी और उसमें कोई परिवर्तन नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अमरनाथ यात्रा के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

राहुल का पीएम पर तंज, घर का पता 'लोक कल्याण मार्ग' रखने से लोगों का कल्याण नहीं होता

नई दिल्ली। (एजेंसी)

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर एक बार फिर से जबरदस्त तरीके से तंज कसा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए राहुल ने कहा कि घर का नाम पता लोक कल्याण मार्ग रखने से लोगों का कल्याण नहीं होता है। दरअसल, राहुल गांधी ने की पीएफ खाताधारकों के ब्याज दरों में कटौती को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके सरकार पर निशाना साधा है। अपने ट्वीट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए राहुल गांधी ने लिखा कि घर का पता 'लोक कल्याण मार्ग' रख लेने से लोगों का कल्याण नहीं होता। प्रधानमंत्री ने साढ़े 6 करोड़ कर्मचारियों के वर्तमान और उनके भविष्य को बर्बाद करने के लिए 'महंगाई बढ़ाओ, कमाई घटाओ' मॉडल को लागू किया है।

आपको बता दें कि सरकार ने कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के करीब पांच करोड़ अंशधारकों को वर्ष 2021-22 के लिये भविष्य निधि जमा पर 8.1 प्रतिशत ब्याज देने को मंजूरी दे दी है। चार दशकों में यह ईपीएफ पर मिलने वाली सबसे कम ब्याज दर है। इस साल मार्च में ही ईपीएफओ के केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) ने 2021-22 के लिये देय ब्याज दर को 2020-21 के 8.5 प्रतिशत से घटाकर 8.1 प्रतिशत करने का निर्णय किया

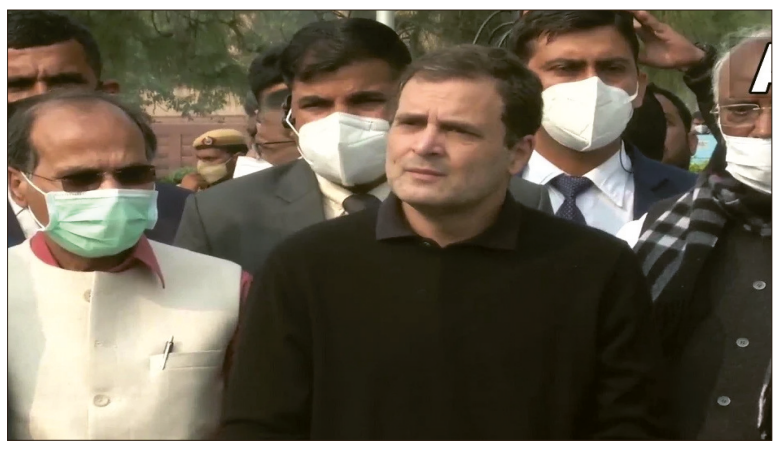

था। शुक्रवार को जारी ईपीएफओ कार्यालय आदेश के अनुसार श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने 2021-22 के लिये ईपीएफओ अंशधारकों को 8.1 प्रतिशत ब्याज की मंजूरी मिलने के बारे में सूचना दी है। श्रम मंत्रालय ने इस प्रस्ताव को मंजूरी के लिये वित्त मंत्रालय को भेजा था।

सरकार से मंजूरी मिल जाने के बाद ईपीएफओ अब कर्मचारियों के ईपीएफ खातों में ब्याज राशि डालना शुरू करेगा। ईपीएफ जमा पर 8.1 प्रतिशत ब्याज 1977-78 के बाद सबसे कम है। उस समय ब्याज दर 8 प्रतिशत रही थी। सीबीटी में कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले न्यासी केई रघुनाथन ने कहा कि जिस गति से श्रम एवं वित्त मंत्रालयों ने ब्याज दर को मंजूरी दी है, कर्मचारियों को कोष की जरूरत को देखते हुए वह वास्तव में सराहनीय है। इससे उन्हें अपने बच्चों की शिक्षा और अन्य जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। सीबीटी ने 2020-21 के लिये ईपीएफ जमा पर 8.5 प्रतिशत ब्याज देने का निर्णय मार्च 2021 में किया था। वित्त मंत्रालय ने इसे अक्टूबर 2021 में मंजूरी दी। उसके बाद ईपीएफओ ने अपने क्षेत्रीय कार्यालयों को 2020-21 के लिये 8.5 प्रतिशत की दर से ईपीएफ खातों में ब्याज डालने का निर्देश दिया था।

चुनावी बांड से भाजपा की आय में भारी कमी, 2,555 करोड़ से घटकर 22 करोड़ रुपये हुआ

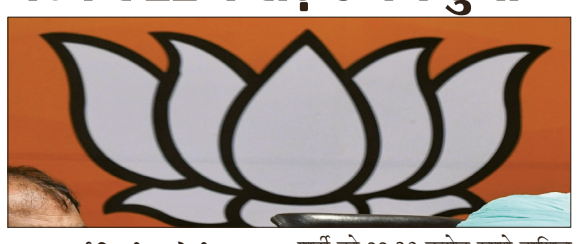

नई दिल्ली (एजेंसी)

वित्त वर्ष 2021 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कुल आय में 80 प्रतिशत अर्थात 752 करोड़ रुपये की गिरावट आई है क्योंकि इस दौरान चुनावी बांड के जरिए दान के रूप में उसे मिलने वाली राशि पिछले वित्त वर्ष के 2,555 करोड़ के मुकाबले घटकर 22.38 करोड़ हो गई। निर्वाचन आयोग में 21 मई को दायर वित्त वर्ष 2020-21 के ऑडिट रिपोर्ट में भाजपा ने अपना कुल खर्च 620.39 करोड़ रुपये दशार्या है जबकि आय 752.33 करोड़ रुपये बतायी है। पिछले वित्त वर्ष में भाजपा ने 3,623.28 करोड़ रुपये की कुल आय की घोषणा की थी और उसने 1651.02 करोड़ रुपये ही खर्च किए थे। मार्च 2021 तक चुनावी बांड से पार्टी को 22.38 करोड़ रुपये हासिल हुए, जबकि मार्च 2020 में उसने चुनावी बांड के जरिए 2,555 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त की थी।

चुनाव प्रचार मद के तहत भाजपा ने निर्वाचन आयोग को 421 करोड़ रुपये का खर्च दिखाया है जबकि पिछले वित्त वर्ष में उसने इस मद में 1352 करोड़ रुपये का खर्च दशार्या था। पार्टी ने विज्ञापनों, हेलीकॉप्टर के किराए, विमान, होर्डिंग, कट-आउट, उम्मीदवारों को वित्तीय सहायता और अन्य को अनुदान में इन खर्चों का दशार्या गया है। आम तौर पर लोकसभा चुनाव के दौरान आय और खर्च में वृद्धि होती है। चुनावी बांड का इस्तेमाल व्यक्तियों, संस्थाओं और संगठनों द्वारा राजनीतिक दलों को चंदा देने के लिए किया जाता है।

संगीत कार्यक्रम के बाद केके की मौत पर जगदीप धनखड़ बोले, प्रशासन की इससे अधिक विफलता नहीं हो सकती

कोलकाता (एजेंसी)

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने गायक केके के निधन को लेकर शनिवार को राज्य सरकार पर निशाना साधा और कहा कि प्रशासन की इससे अधिक विफलता नहीं हो सकती थी। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने बागडोगरा में पत्रकारों से कहा कि केके का निधन बहुत ही दर्दनाक था। कई लोगों ने मुझे वीडियो भेजे हैं, और मैंने वे वीडियो देखे हैं। इससे अधिक कुप्रबंधन नहीं हो सकता था। प्रशासन की इससे अधिक विफलता नहीं हो सकती थी। धनखड़ ने कहा कि वहां के माहौल, लोगों की संख्या,

नियंत्रित करने के लिए कुछ उपचारात्मक कदम अगर हर पहलू को देखें तो ये पूरी तरह से विफलता थी। जिन लोगों को इसकी देखरेख करनी थी, उन्हें जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। बता दें कि कृष्णकुमार कुन्नाथ, जिन्हें केके के नाम से जाना जाता है, का 31 मई को कोलकाता में एक लाइव कॉन्सर्ट के बाद निधन हो गया।

कर्नाटक का जामिया मस्जिद है हिंदू मंदिर? विहिप और बजरंग दल के कार्यकर्ता हनुमान चालीस का जाप करने पर अड़े, सुरक्षा बढ़ाई गई

नई दिल्ली (एजेंसी)

कर्नाटक के मांड्या जिले में जामिया मस्जिद की परिधि के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई है। हिंदू संगठनों ने शनिवार को मस्जिद के बाहर हनुमान चालीसा का जाप करने और विरोध प्रदर्शन करने का ऐलान किया था। जिसके बाद मांड्या में जामिया मस्जिद के बाहर सैकड़ों की तादाद में बजरंग दल और विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ता जुट गए। विहिप की और बजरंग दल की ओर से जामिया मस्जिद को मंदिर बताते हुए हनुमान चालीसा का जाप करने की बात कही गई। हिन्दू संगठनों के कार्यकर्ताओं की भीड़ देखते हुए पुलिस भी मौके पर पहुंच गई।

मांड्या के श्रीरंगपटना तालुक में जामिया मस्जिद के बाहर बैरिकेड्स लगाए गए हैं। कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए

कर्नाटक राज्य रिजर्व पुलिस (केएसआरपी) की पांच प्लाटून और अन्य सुरक्षा बलों को क्षेत्र में तैनात किया गया है। कर्नाटक के गृह मंत्री अरागा ज्ञानेंद्र द्वारा सावधानी बरतने के निर्देश जारी करने के बाद जिला प्रशासन हाई अलर्ट पर है। विरोध की आशंका में निषेधाज्ञा पहले से ही लागू है। सीआरपीसी की धारा 144 के तहत प्रतिबंध किसी भी प्रकार की सार्वजनिक सभा को प्रतिबंधित करते हैं और 3 जून को दोपहर 3 बजे से 5 जून को दोपहर 12 बजे तक प्रभावी रहेंगे।

गौरतलब है कि विहिप और बजरंग दल ने 20 मई को मांड्या जिला आयुक्त को एक ज्ञापन सौंपकर मांग की कि जामिया मस्जिद में ज्ञानवापी मस्जिद की तर्ज पर सच्चाई का पता लगाने के लिए एक सर्वेक्षण किया जाए। हिंदू संगठनों ने दावा किया है कि मस्जिद का स्थान पहले एक हनुमान मंदिर था, जिसे ध्वस्त कर दिया गया था और उसके ऊपर मस्जिद बनाई गई थी। हिंदू संगठनों ने मांड्या के कुवेम्पु सर्कल से विवादित मस्जिद तक श्रीरंगपटना चलो नाम से एक विरोध मार्च का आह्वान किया था। इसके लिए उन्होंने अधिकारियों से अनुमति मांगी थी लेकिन अनुमति से इनकार कर दिया गया था। इसके बावजूद समूह विरोध मार्च निकाल रहे हैं।

भारत में प्रत्येक 36 में से एक नवजात शिशु की अपने प्रथम जन्मदिन से पहले हो जाती है मौत :आंकड़े

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

पिछले कुछ दशकों में नवजात मृत्यु दर में कमी आने के बावजूद भारत में अभी भी प्रत्येक 36 में से एक शिशु की उसके जन्म के प्रथम वर्ष के अंदर मौत हो जाती है। आधिकारिक आंकड़ों से यह पता चलता है।

नवजात मृत्यु दर (आईएमआर) को किसी देश या क्षेत्र के संपूर्ण स्वास्थ्य परिदृश्य के एक अहम संकेतक के तौर पर व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है। आईएमआर को किसी क्षेत्र में एक निर्धारित अवधि में प्रति एक हजार जन्म पर नवजात मृत्यु (एक साल से कम आयु में) के रूप में परिभाषित किया जाता है। भारत के महापंजीयक द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, आईएमआर का मौजूदा स्तर (वर्ष 2020 के लिए, प्रति एक हजार जीवित शिशु पर 28 नवजात की मौत)1971 (प्रति एक हजार जीवित शिशु पर 129 नवजात मौत)की तुलना में एक-चौथाई कम है। पिछले 10 वर्षों में आईएमआर में करीब 36 प्रतिशत की कमी देखी गई है और अखिल भारतीय स्तर पर आईएमआर का स्तर पिछले दशक में 44 से गिर कर 28 हो गया।

आंकड़ों के मुताबिक, 'ग्रामीण इलाकों में यह 48 से घट कर 31 हो गया और शहरी इलाकों में यह 29 से घट कर 19 हो गया। इस तरह क्रमशः करीब 35 प्रतिशत और 34 प्रतिशत दशकीय गिरावट प्रदर्शित होती है।' हालांकि, बुलेटिन में कहा गया है, 'पिछले दशकों में आईएमआर में गिरावट के बावजूद राष्ट्रीय स्तर पर प्रत्येक 36 में एक नवजात की मृत्यु उसके जीवन के प्रथम वर्ष में हो गई।'

वर्ष 2020 में अधिकतम आईएमआर मध्यप्रदेश (43) में और न्यूनतम मिजोरम (तीन) में दर्ज की गई। बुलेटिन में कहा गया है कि पिछले पांच दशकों में अखिल भारतीय स्तर पर जन्म दर में काफी कमी आई है जो 1971 के 36.9 से घट कर 2020 में 19.5 हो गई।

ग्रामीण-शहरी क्षेत्रों में इसका अंतर भी इन वर्षों में कम हुआ है। हालांकि जन्म दर पिछले पांच दशकों में शहरी क्षेत्रों की तुलना में गामीण इलाकों में अधिक बना

हुआ है। पिछले दशक में जन्म दर करीब 11 प्रतिशत घटी है। यह 2011 के 21.8 से घट कर 2020 में 19.5 हो गयी। ग्रामीण इलाकों में इसमें करीब नौ प्रतिशत की कमी आई है जो 23.3 से घट कर 21.1 हो गई। वहीं, शहरों इलाकों में यह 17.6 से घट कर 16.1 हो गई जो करीब नौ प्रतिशत की गिरावट है।

बिहार- मंत्री रामसूरत राय का विवादित बयान, बोले मुसलमानों ने भगवान को भी टोपी पहनाकर हड़प लिए सभी मंदिर

पटना । काशी में ज्ञानवापी मस्जिद के नीचे शिवलिंग मिलने के दावे को लेकर छिड़े विवाद को लेकर मामला अदालत में है पर बयानवीरों की जुबान विवादित बयान देने से रुक नहीं रही। देश में कई मस्जिदों के नीचे मंदिर होने के दावों के बीच बिहार सरकार के मंत्री और बीजेपी नेता रामसूरत राय ने एक विवादित बयान दिया है। रामसूरत राय ने कहा है कि जिस तरीके से हिंदू ईद के मौके मुसलमान भाइयों के घर पर जाते हैं तो मुस्लिम भाई उन्हें टोपी पहनाते हैं, ठीक उसी तरीके से मुसलमानों ने भगवान को भी टोपी पहनाकर सभी मंदिरों को हड़प लिया है और उस पर मस्जिद की स्थापना कर दी है। रामसूरत राय ने कहा, आज जो खुद-ब-खुद भगवान किसी न किसी रूप में जमीन के अंदर से प्रकट हो रहे हैं। कहीं राधा कृष्ण के रूप में, कहीं शिव के रूप में और कहीं राम के रूप में। जैसे हम लोग आपके यहां ईद में आते हैं और मुस्लिम भाई हम लोगों को टोपी पहनाते हैं, उसी तरीके से उन लोगों ने भगवान को भी टोपी पहना दिया है और मंदिरों को हड़प लिया है। रामसूरत राय ने आगे कहा कि मुसलमानों को स्वतः आने वाले दिनों में उस जमीन पर से कब्जा छोड़ना पड़ेगा, क्योंकि वह जमीन हिंदू संस्कृति और हिंदू भाइयों के पूर्वजों की थी। बिहार सरकार के भूमि सुधार और राजस्व मंत्री ने कहा, 'आज हम नहीं छीन रहे हैं बल्कि खुद-ब-खुद जमीन के अंदर से मंदिर निकल रहा है। आने वाले दिनों में उन्हें खुद जमीन पर से कब्जा छोड़ना पड़ेगा, क्योंकि वह जमीन हमारे पूर्वजों और हिंदू संस्कृति का हिस्सा है। उनके मुगलों ने जिस तरीके का शासन किया और साम्राज्य कायम किया, मंदिर तोड़कर के हड़प लिए। परिवर्तन संसार का नियम है और परिवर्तन के रूप में सब लोग आज देख रहे हैं।' केंद्र में बीजेपी सरकार के 8 साल पूरा होने पर मंत्री रामसूरत राय ने जमुई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया था। इसी दौरान ज्ञानवापी के मुद्दे पर पूछे गए सवाल पर मंत्री ने यह जवाब दिया। हालांकि, आखिर में मंत्री ने कहा कि ज्ञानवापी पर कोर्ट का जो फैसला होगा, वही हमें मान्य होगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हावड़ा अहमदाबाद एक्सप्रेस ट्रेन से 34.240 किलोग्राम भांग के साथ दो पकड़े गए

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

हावड़ा से अहमदाबाद जा रही हावड़ा-अहमदाबाद एक्सप्रेस ट्रेन से कुल 34.240 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया।

3 को हावड़ा-अहमदाबाद एक्सप्रेस ट्रेन की चेकिंग के दौरान नंदुरबार से आ रहे आरोपी को चेकिंग के दौरान पकड़ा गया . कोच नं। ए/2 के शीट नंबर 30 पर याता कर रहे दो आईएसएमओ गांजा की माता के साथ तेज गति से जा रहे थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है।

पुलिस ने दो बड़े नीले ट्रॉली बैग और एक नीले सोल्डर बैग में गांजा, खलीकोट, जिला गंजम, ओडिशा, हाल रहे-पिपोदरा जीआईडीसी किम) के साथ नकदी सहित 3 लाख 80 हजार रुपये मूल्य के मुद्दमाल को जब्त किया गया।

कक्षा 12 सामान्य संकाय के परिणामों की घोषणा, 95.41 प्रतिशत के साथ डांग रहा अव्वल

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से मार्च-अप्रैल 2022 मं ली गई कक्षा 12 सामान्य संकाय के नतीजों का आज ऐलान किया गया। कक्षा 12 सामान्य संकाय का परिणाम 86.51 प्रतिशत आया है, जिसमें 95.41 प्रतिशत नतीजों के साथ दक्षिण गुजरात का डांग जिला अव्वल रहा। जबकि 79.87 प्रतिशत नतीजों के साथ वडोदरा जिला सबसे पीछे रहा7 वडोदरा के डभोई केन्द्र का 56.43 प्रतिशत परिमाण सामने आया है। अहमदाबाद शहर में 79.87 प्रतिशत और अहमदाबाद जिले का नतीजा 95.90 प्रतिशत रहा। इसके अलावा कच्छ जिले का 91.24 प्रतिशत, जामनगर जिले का 89.39 प्रतिशत, जूनागढ़ जिले का 86.50 प्रतिशत, भरुच जिले के 84.52 प्रतिशत, आणंद जिले का 84.91 प्रतिशत, साबरकांठा जिले का 90.19 प्रतिशत, सुरेन्द्रनगर 91.23 प्रतिशत, राजकोट केन्द्र 88.72 प्रतिशत, सूरत केन्द्र 87.52 प्रतिशत, भावनगर केन्द्र 93.09 प्रतिशत, जूनागढ़ केन्द्र 86.50 प्रतिशत, अमरेली का 85.97 प्रतिशत, खेडा का 79.15 प्रतिशत, पंचमहल 86.07 प्रतिशत, बनासकांठा 93.60 प्रतिशत, मेहसाणा 87.86 प्रतिशत, राजकोट 88.72 प्रतिशत, वलसाड 83.50 प्रतिशत, दमण 82.71 प्रतिशत, पाटन 88.85 प्रतिशत, नवसारी 84.67, दाहोद 87.36 प्रतिशत, पोरबंदर 85.30 प्रतिशत, नर्मदा 80.07 प्रतिशत, गांधीनगर 87.84 प्रतिशत, तापी 87.16 प्रतिशत, अरवल्ली 90.86 प्रतिशत, बोटाद 93.87 प्रतिशत, छोटाउदेपुर 90.58 प्रतिशत, देवभूमि द्वारका 91.16 प्रतिशत, गिर सोमनाथ 89.61 प्रतिशत, महीसागर 92.17 प्रतिशत, मोरबी 89.20 और दीव का 94.75 प्रतिशत परिणाम आया है। राज्यभर में कुल 2.90 लाख परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। जिसमें 2092 विद्यार्थियों ने ए१ ग्रेड, 25432 विद्यार्थियों ने ए२ ग्रेड, 62734 विद्यार्थियों ने बी१ ग्रेड हासिल किया है। राज्य की एक स्कूल ऐसी जिसका परिणाम 10 प्रतिशत से भी कम है। अंग्रेजी माध्यम स्कूलों का 86.85 प्रतिशत और गुजरात माध्यम की स्कूलों का 87.22 प्रतिशत परिणाम आया है। विद्यार्थी अपना परिणाम गुजरात माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की वेबसाइट www.gseb.org देख सकते हैं। बोर्ड की वेबसाइट www.gseb.org पर जाने के बाद GSEB HSC Result 2022 टाइप कर क्लीक करें और उसके बाद 6 अंकों का अपना सीट नंबर एंटर करें सबमिट करें। सीट नंबर सबमिट करने के बाद विद्यार्थी स्क्रीन पर अपना परिणाम देख सकेंगे। कक्षा 12 सामान्य संकाय के नतीजों की घोषणा के बाद अब 6 जून यानी सोमवार को कक्षा 10 के परिणाम जारी किए जाएंगे। कक्षा 10 के भी नतीजे विद्यार्थी बोर्ड की वेबसाइट www.gseb.org पर GSEB SSC Result 2022 टाइप करने के बाद अपना सीट नंबर डालें। सीट नंबर सबमिट करने के पश्चात कक्षा 10 के विद्यार्थी अपना परिणाम स्क्रीन पर देख सकेंगे।

मुख्यमंत्री पालनपुर में नवनिर्मित आइकॉनिक बस पोर्ट का लोकार्पण और 220 केवी सब स्टेशन का किया ई-भूमिपूजन

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

बनासकांठा,मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि जनसामान्य, गरीब और कतार में खड़े आखिरी लोगों को आसानी से सुविधाएं मुहैया कराने का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प 8 वर्षों के उनके सुशासन में परिपूर्ण हुआ

है। शनिवार को पालनपुर में 29,700 वर्ग मीटर क्षेत्र में 37.82 करोड़ रुपए की लागत से नवनिर्मित आइकॉनिक बस पोर्ट के लोकार्पण और 118 करोड़ रुपए के खर्च से निर्मित होने वाले वडगाम तहसील के सिसराणा 220 केवी सब स्टेशन के ई-भूमिपूजन समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने यह बात कही। सिसराणा 220 केवी सब स्टेशन बनासकांठा जिले के 24 हजार किसानों सहित कुल 1 लाख 20 हजार उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति करने में उपयोगी रहेगा। गुजरात राज्य सड़क परिवहन निगम (एसटी) ने सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत राज्य में इस तरह के अद्यतन सुविधा युक्त 7 आइकॉनिक बस पोर्ट निर्मित कर यात्रियों की सेवा में कार्यरत किए हैं जबकि 10 सैटेलाइट बस पोर्ट का निर्माण कार्य जारी है।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस अवसर पर कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में भारतीय जनता पार्टी की सरकार लोकहित, जनकल्याण और अंत्योदय के कार्यों को प्राथमिकता देती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा किसी भी राष्ट्र या राज्य के विकास की नींव होती है और सरकार ने इस तरह का आयोजन किया है कि ये सुविधाएं प्रत्येक नागरिक को सुलभ हो। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में हमने गांवों में बेहतर सड़क, अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं और पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराकर इन तीनों क्षेत्रों में विकास के अनेक कार्य किए हैं। पटेल ने कोरोना महामारी के दौरान एसटी निगम के कर्मचारियों की सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि 23 हजार बसों के माध्यम से 6.99 लाख यात्रियों को फायदा पहुंचाने वाले एसटी के ये सेवक बधाई के पात्र हैं। उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल के दौरान घर-घर बिजली पहुंचाने के राज्य सरकार के सफल प्रयासों का विस्तार से उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि 1960 में गुजरात अलग राज्य के रूप में अस्तित्व में आया, तब से लेकर 2002 तक राज्य में 702 विद्युत सब स्टेशन बने थे। वहीं, पिछले दो दशक में राज्य में 1549 नए विद्युत सब स्टेशनों का निर्माण हुआ है यानी प्रतिवर्ष औसतन 78 विद्युत सब स्टेशनों का निर्माण होता है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने यह प्रतिबद्धता व्यक्त की कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से गुजरात को परिवहन और ऊर्जा दोनों क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनाएंगे।

शिक्षा राज्य मंत्री कीर्तिसिंह वाघेला ने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल का आभार व्यक्तकरते हुए कहा कि उन्होंने बनासकांठा जैसे राज्य के सुदूरवर्ती जिले को एयरपोर्ट जैसी सुविधा वाले बस पोर्ट की भेंट दी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गुजरात के सर्वांगीण विकास के लिए कटिबद्ध है। वाघेला ने कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री और मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो विकास याता शुरू की थी, उसे मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल बहुत तेज गति से आगे बढ़ा रहे हैं। कृषि, पशुपालन और शिक्षा सहित तमाम क्षेत्रों में बनासकांठा जिला आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट जैसी सुविधा वाला बस पोर्ट बनने से जिले के 5 हजार लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।